# DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA UNIVERSITY, CHHATRAPATI SAMBHAJINAGAR.

## Circular / Syll. Sec./HF/ UG IIIed Yr./Curriculum/ 2026.

It is hereby inform to all concerned that, on the recommendation of Board of Studies; **the Academic Council at it's Meeting held on 02ed June, 2026 has accepted the *"Following Subject wise Curriculum of UG level under the faculty of Humanities as per Guidelines of NEP & University Norms"*** to be implemented in the all affiliated colleges.

| Sr. No. | Name of the UG Curriculum | Semester |
|---|---|---|
| 01. | Marathi | Vth & VIth |
| 02. | Hindi | Vth & VIth |
| 03. | English | Vth & VIth |
| 04. | Urdu | Vth & VIth |
| 05. | Pali & Buddhism with Second Year minor changes | Vth & VIth & IIIrd & IVth |
| 06. | Arabic | Vth & VIth |
| 07. | Sanskrit | Vth & VIth |
| 08. | Political Sciecne | Vth & VIth |
| 09. | Public Administration with Second Year minor changes | Vth & VIth & IIIrd & IVth |
| 10. | Economics | Vth & VIth |
| 11. | History | Vth & VIth |
| 12. | Sociology | Vth & VIth |
| 13. | Geography | Vth & VIth |
| 14. | Psychology | Vth & VIth |
| 15. | Thoughts of Mahatma Phule & Dr. B. R. Ambedkar | Vth & VIth |
| 16. | Islamic Studies | Vth & VIth |
| 17. | Military Science | Vth & VIth |
| 18. | Philosophy | Vth & VIth |

**This is effective from the Academic Year 2026-27 and onwards as per appended herewith.**

All concerned are requested to note the contents of this circular and bring notice to the students, teachers and staff for their information and necessary action.

University campus,
Chhatrapati Sambhajinagar-431 004.
Ref. No. SU/ HF/ UG IIIrd Yr./
Curriculum/ 2026/4452-55

Date: 05/ 06/ 2026.

**Deputy Registrar**
**Syllabus Section**

*******

P.T.O. –2--

**Copy forwarded with necessary action to:-**

1] **The Principal, all concerned affiliated colleges,**

2] **The Director,** University Network & Information Centre, UNIC, with **a request to upload this Circular on University Website.**

3] **The Director, Board of Examinations & Evaluation,**

4] **Public Relation Officer** [PRO],

Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University, Chhatrapati Sambhajinagar.

-=**=-

DrK*050626/-

# DR. BABASAHEB AMBEDKAR MARATHWADA UNIVERSITY, CHHATRAPATI SAMBHAJINAGAR

3 Years B. A./ B.Com. / B.Sc.,

4 Year B. A./ B.Com. / B.Sc.

(Hons. with Research) Degree Programme

## Third Year Course Structure

## Subject: Marathi

(Effective from June 2026)

प्रा.सर्जे[illegible]
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती [illegible: संभाजीनगर]

AS PER NEP 2020

**Illustrative Credit distribution structure for three/ four-year Honours/ Honours with Research Degree Programme with Multiple Entry and Exit options - (Discipline Specific in Marathi) Class: B. A./ B.Com. / B.Sc. Third Year Semester: Fifth Semester & Six Semester**

**Subject: Marathi**

## Fifth Semester

| Sr. No. | Specification/ type of Papers | Paper | Credits | Total Credits/ Semester |
|---|---|---|---|---|
| 1 | Major Mandatory | DSC - 11 **साहित्यविचार भाग - १** | 2T+ 2P = 4 | 4T+ 4P =8 |
| | | DSC - 12 **मराठी भाषाविज्ञान भाग - १** | 2T+ 2P = 4 | |
| 2 | Major Elective | DSE- 1 **मध्ययुगीन - संप्रदाय (नाथ, वीरशैव, सूफी)** *किंवा*<br>DSE- 2 **मध्ययुगीन - संप्रदाय (महानुभाव संप्रदाय)** | 2T+ 2P = 4 | 2+ 2 = 4 |
| 3 | Minor | M -5 **मराठी गझल** | 2-T | 4 |
| | | M -6 **अक्षरधन** | 2 - T | |
| 4 | Generic/ Open Elective | -- | - | - |
| 5 | Vocational Skill Course (Choose any one from pool of courses) | VSC- 3 **कृत्रिम बुद्धिमत्ता व मराठी भाषा** *किंवा*<br>VSC- 4 **गीतलेखन तंत्र, कौशल्य व रोजगारसंधी** | 2T+ 2P = 4 | 4 |
| 6 | Skill Enhancement Course | -- | -- | -- |
| 7 | Ability Enhancement Course | - | - | - |
| 8 | Value Education Course | - | - | |
| 9 | Indian Knowledge System | --- | -- | |

प्रा. सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष, मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 11 | Field Project | | FP- 2 मराठवाड्यातील बोलीभाषांचा अभ्यास | 2-T | |
| 12 | Community Engagement Project | | CEP- 2 | -- | |
| 13 | Co-curricular Course | | -- | -- | |
| 14 | Research Project | | -- | -- | |
| Cum. Cr./ Semester | | | -- | -- | 22 |
| Cum. Cr./Year | | | -- | -- | -- |

प्रा. सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष, मराठी अभ्यास मंडळ,
बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

## Sixth Semester

| Sr. No. | Specification/ type of Papers | Paper | Credits | Total Credits/ Semester |
|---|---|---|---|---|
| 1 | Major Mandatory | DSC- 13 साहित्यविचार - भाग - २ | 2T+2P=4 | 6T+4P=10 |
| | | DSC- 14 मराठी भाषाविज्ञान - भाग - २ | 2T+2P=4 | |
| | | DSC- 15 (IKS-2) भारतीय ज्ञानप्रणाली व मराठी साहित्य | 2-T | |
| 2 | Major Elective | DSE – 3 मध्ययुगीन - संप्रदाय (वारकरी संप्रदाय) किंवा DSE – 4 मध्ययुगीन - संप्रदाय (दत्त, नागेश व समर्थ संप्रदाय) | 2T+2P=4 | 4 |
| 3 | Minor | Mn -7 मराठीतील निवडक व्यक्तिचित्रे | 2-T | 4 |
| | | Mn-8 मराठवाड्यातील कविता | 2-T | |
| 4 | Generic/ Open Elective | ---- | | |
| 5 | Vocational Skill Course | -- | -- | -- |
| 6 | Skill Enhancement Course | ----- | | |
| 7 | Ability Enhancement Course | ------ | - | - |
| 8 | Value Education Course | --- | -- | |
| 9 | Indian Knowledge System | -- | – | |
| 10 | On Job Training | OJT- 1 'मराठी अक्षरयात्रींचे प्रशिक्षणपर्व' | 04 | 4 |
| 11 | Field Project | -- | -- | |
| 12 | Community Engagement Project | ---- | -- | |
| 13 | Co-curricular Course | ---- | -- | |
| 14 | Research Project | -- | -- | |
| Cum. Cr./ Semester | | -- | 22 | 22 |



प्रा. सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष, मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| Cum. Cr./Year | | -- | -- | **44** |
| **<u>Exit option</u>**: Award of UG Degree in Major with **132 credits** and an additional 4 credits core NSQF course/ Internship OR Continue with Honour or Research honour. | | | | |

**Note**: Papers highlighted in red colour are multiple choices

प्रा. सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष, मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

# डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

(Major -Marathi -Mandatory) - Level - 5.5

DSC - XI (सत्र - ५ वे)

**श्रेयांक - ४ (अध्यापन २ - प्रात्यक्षिक २)** **अभ्यासपत्रिका - ११ वी**

**गुण** - १०० (३०+२०+३०+२०) **तासिका** - ३० + ६० = ९०

## साहित्यविचार भाग - १

**उद्दिष्टे -**

१. भारतीय व पाश्चात्त्य साहित्यविचारातील मूलभूत तत्त्वांचा आढावा घेता येईल.
२. भारतीय आचार्यांनी व पाश्चात्त्य अभ्यासकांनी दिलेल्या साहित्याच्या व्याख्या, स्वरूपाचा आणि प्रयोजनाचा तुलनात्मक अभ्यास करता येईल.
३. साहित्यनिर्मिती प्रक्रियेतील प्रतिभा,व्युत्पन्नता,अभ्यास व इतर पूरक कारणे यांचे महत्त्व समजून घेता येईल.
४. पाश्चात्त्य साहित्य अभ्यासाच्या पाठीमागे असलेले मानसशास्त्रीय अधिष्ठान लक्षात घेता येईल.
५. साहित्याचे चिकित्सक आकलन करण्याची क्षमता विकसित होईल.

| अ.क्र | घटक | अभ्यासक्रमाचा तपशील | श्रेयांक | तासिका |
|---|---|---|---|---|
| १. | साहित्याचे स्वरूप | **(अ) भारतीय साहित्यविचार**<br>१. साहित्याची संकल्पना व स्वरूप<br>२. साहित्याच्या व्याख्या – भामह, दण्डी, जगन्नाथ,कुंतक,वामन,रुद्रट,मम्मट, विश्वनाथ व इतर<br>३. साहित्याची लक्षणे - अलंकार,वक्रोक्ति, रीती,औचित्य,ध्वनी,रस.<br>**(ब) पाश्चात्त्य साहित्यविचार**<br>१. साहित्याच्या व्याख्या - हॅझलिट,रस्किन, कोलरिज,कोर्टहोप,कार्लाईल, वर्डस्वर्थ,मॅथ्यू | ०.४ | ०६ |



प्रा. सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष, मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | अर्नोल्ड,आय.ए.रिचर्ड्स, टी.एस.इलियट, एफ.एल.ल्युकस,कांट - क्रोचे इ.<br>२. साहित्याची लक्षणे - कल्पना,भावना, बुद्धी, लयबद्धता, शैली | | |
| २. | साहित्याची प्रयोजने | **(अ) भारतीय विचार**<br>१. साहित्यप्रयोजनाची संकल्पना<br>२. भामह,दण्डी,भरतमुनी,मम्मट व इतर भारतीय अभ्यासक यांचे साहित्यप्रयोजनविषयक विचार<br>**(ब) पाश्चात्त्यविचार**<br>१. पलायनवाद २. स्वप्नरंजन<br>३. जिज्ञासापूर्ती ४. आत्माविष्कार<br>५. उद्बोधन ६. विरेचन (कॅथॉर्सिस)<br>७. प्रचार ८. इतर प्रयोजने | ०.८ | १२ |
| ३. | साहित्याची निर्मिती प्रक्रिया | **(अ) भारतीय दृष्टिकोन**<br>१. साहित्यनिर्मितीची संकल्पना<br>२. प्रतिभा<br>३. व्युत्पन्नता<br>४. अभ्यास व इतर पूरक कारणे<br>**(ब) पाश्चात्त्य दृष्टिकोन**<br>१. सिग्मंड फ्रॉईड - मानसशास्त्रीय दृष्टिकोन<br>२. कार्ल गुस्तॉव युंग - सामूहिक अचेतन<br>३. एफ.सी. प्रिस्कॉट<br>४. कोलरिज - कल्पनाशक्ती<br>५. टी.एस. इलियट - परंपरा व व्यक्तित्व<br>६. मरे क्रायगर<br>७. अन्य अभ्यासक | ०.८ | १२ |
| ४. | प्रात्यक्षिक | १. भामह,दण्डी,मम्मट व अन्य अभ्यासक यांच्या साहित्य व्याख्या शोधून त्यांचे | ०२ | ३०*२ = ६० |



प्रा. सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | तक्त्याच्या स्वरूपात तुलनात्मक विश्लेषण करणे.<br>२. एखादी निवडक कविता किंवा एखाद्या कथेमध्ये अलंकार,ध्वनी,रस किंवा कल्पनाशक्ती यांची उदाहरणे शोधून नोंद करणे. त्या कलाकृतीतील साहित्य लक्षणे शोधून उलगडून दाखवणे.<br>३. एखादी कथा, कविता किंवा नाटक, कादंबरी, चरित्र, आत्मचरित्र, निबंध वाचून त्यामध्ये रंजन, बोध, आत्माविष्कार किंवा कॅथॉर्सिस यापैकी कोणते प्रयोजन दिसते ते उदाहरणांसह स्पष्ट करणे.<br>४. एखादा कवी किंवा लेखक (उदा. केशवसुत, बालकवी, कुसुमाग्रज, वि.स. खांडेकर, पु.ल.देशपांडे, शिवाजी सावंत इ.) यांची साहित्यनिर्मिती प्रक्रिया व प्रेरणा याविषयी छोटा अहवाल तयार करणे.<br>५. तुलनात्मक सादरीकरण<br>६. भारतीय साहित्यविचार व पाश्चात्त्य साहित्यविचार यातील समानता व भेद यावर गटचर्चा करून सादरीकरण करणे. | | |

**संदर्भ ग्रंथ:**


१. गणेश त्र्यंबक देशपांडे - भारतीय साहित्यशास्त्र, पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई

२. डॉ.स.रा.गाडगीळ - काव्यशास्त्रप्रदीप - साहित्यविचार, व्हीनस प्रकाशन ,पुणे

३. डॉ.रा.भा.पाटणकर - सौंदर्यमीमांसा, मौज प्रकाशन गृह, मुंबई

४. डॉ.गंगाधर पाटील - साहित्यशास्त्र परिचय, डायमंड प्रकाशन, पुणे

५. भालचंद्र नेमाडे - साहित्य, संस्कृती आणि समाज,पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई

६. अ.वा.कुलकर्णी - साहित्यविचार, कॉन्टिनेंटल प्रकाशन, पुणे





प्रा.सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

७. वा.ल.कुलकर्णी - साहित्य : स्वरूप आणि समीक्षा, मौज प्रकाशन गृह, मुंबई
८. स.रा.गाडगीळ - साहित्यशास्त्र, स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे
९. M. H. Abrams - A Glossary of Literary Terms Publication – Cengage Learning
१०. René Wellek & Austin Warren - Theory of Literature
११. Terry Eagleton - Literary Theory: An Introduction
१२. महाराष्ट्र राज्य साहित्य संस्कृती मंडळ - मराठी विश्वकोश (साहित्य खंड), महाराष्ट्र राज्य साहित्य संस्कृती मंडळ, मुंबई

प्रा. सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष, मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

## डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

(Major - Marathi - Mandatory) - Level – 5.5

DSC - XII (सत्र – ५ वे)

**श्रेयांक - ४ (अध्यापन २ - प्रात्यक्षिक २)** **अभ्यासपत्रिका - ११ वी**

**गुण** - १०० (३०+२०+३०+२०) **तासिका** - ३० + ६० = ९०

## मराठी भाषाविज्ञान भाग - १

**उद्दिष्टे -**

१. भाषाविज्ञान या शास्त्राची संकल्पना व स्वरूप समजण्यास मदत होईल.

२. मराठी भाषेच्या रचनेतील विविध स्तरांचा अभ्यास करता येईल.

३. भाषेच्या ध्वनीरचनेचा व्यवस्थित अभ्यास करता येईल.

४. शब्दरचना व पदरचना यांचे स्वरूप समजून घेता येईल.

५. मराठी भाषेच्या वैज्ञानिक अभ्यासाची जाणीव निर्माण होईल.

| अ.क्र | घटक | अभ्यासक्रमाचा तपशील | श्रेयांक | तासिका |
|---|---|---|---|---|
| १. | भाषेचे स्वरूप | १. भाषेची संकल्पना व व्याख्या<br>२. भाषेची वैशिष्ट्ये<br>३. भाषेची व मराठी भाषेची उत्पत्ती व विकास<br>४. भाषेचे सामाजिक महत्त्व<br>५. भाषाविज्ञानाचे स्वरूप व अभ्यासक्षेत्र | ०.४ | ०६ |
| २. | स्वन - स्वनिम व स्वनांतर | १. स्वनविचाराची संकल्पना, स्वनांचे प्रकार, उच्चारणस्थान,उच्चारणप्रकार<br>२. स्वनिम संकल्पना, स्वन - स्वनिम फरक व मराठीतील स्वनिमांचे प्रकार | ०.८ | १२ |



प्रा.सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | ३. स्वनांतर संकल्पना,स्वनिम व स्वनांतर सहसंबंध, मराठीतील स्वनांतराचा वापर | | |
| ३. | पदविचार | १. पदविचाराची (रूपविचार) संकल्पना, शब्द व पद यातील फरक,रूपाचे प्रकार<br>२. रूपिम संकल्पना,रूपिमाचे प्रकार<br>३. रूपिकांतर संकल्पना,रूपिम व रूपिकांतर यांच्यातील संबंध | ०.८ | १२ |
| ४. | प्रात्यक्षिक | १. ध्वनीचा उच्चार उच्चारण स्थानानुसार विद्यार्थ्यांकडून करून घेणे.<br>२. मराठीतील ध्वनींचे वर्गीकरण करून तक्ता तयार करणे.<br>३. विविध शब्दांचे पदप्रकार ओळखून विश्लेषण करणे.<br>४. भाषेच्या वापरावर आधारित लघु सर्वेक्षण करणे.<br>५. मराठी भाषेतील ध्वनी व शब्दरचनेवर आधारित कार्यशाळा घेणे. | ०२ | ३०*२ = ६० |

**संदर्भ ग्रंथ:**


१. ना.गो.कालेलकर - भाषा : इतिहास आणि भूगोल, मौज प्रकाशन गृह, मुंबई आवृत्ती - पुनर्मुद्रित, प्रकाशन वर्ष - २०१२

२. डॉ.अशोक रा.केळकर - भाषा, संस्कृती आणि समाज, मौज प्रकाशन गृह, मुंबई आवृत्ती - २ री, प्रकाशन वर्ष - २००३

३. कृ.पां.कुलकर्णी - मराठी भाषा : उद्गम व विकास, महाराष्ट्र राज्य साहित्य संस्कृती मंडळ, मुंबई, प्रकाशन वर्ष - १९९७

४. डॉ.रा.चिं.ढेरे - भाषा आणि संस्कृती, मौज प्रकाशन गृह, मुंबई आवृत्ती - २ री, प्रकाशन वर्ष - २००७

५. डॉ.द.ग.गोडसे - भाषा आणि तिचे विज्ञान, कॉन्टिनेंटल प्रकाशन, पुणे




प्रा.सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष.मराठी अभ्यास मंडळ.
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ.
छत्रपती संभाजीनगर

प्रकाशन वर्ष - १९९५

६. डॉ.भालचंद्र फडके - भाषा आणि भाषाविज्ञान, पद्मगंधा प्रकाशन, पुणे
प्रकाशन वर्ष - २००८

७. महाराष्ट्र राज्य साहित्य संस्कृती मंडळ - मराठी विश्वकोश (भाषा खंड), महाराष्ट्र राज्य साहित्य संस्कृती मंडळ, मुंबई, प्रकाशन वर्ष - २०१५

८. डॉ.मिलिंद मालशे - भाषाविज्ञान : सिद्धांत आणि उपयोग, पद्मगंधा प्रकाशन, पुणे
प्रकाशन वर्ष – २०१४

प्रा. सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष, मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

# डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

(Major Elective - Marathi) - Level – 5.5

DSE - I (सत्र – ५ वे)

श्रेयांक - ४ (अध्यापन २ - प्रात्यक्षिक २) अभ्यासपत्रिका - १ ली

गुण - १०० (३०+२०+३०+२०) तासिका - ३० + ६० = ९०

## मध्ययुगीन संप्रदाय

## [नाथ, वीरशैव (लिंगायत), सूफी]

उद्दिष्टे -

१. विद्यार्थ्यांना मध्ययुगीन काळातील विविध धर्मसंप्रदायांची ऐतिहासिक पार्श्वभूमी समजून देणे.
२. नाथ संप्रदायाची उत्पत्ती,तत्त्वज्ञान,उपास्य दैवते व इतर संप्रदायांशी संबंध समजावून सांगणे.
३. वीरशैव (लिंगायत) संप्रदायाची सामाजिक-धार्मिक पार्श्वभूमी व त्याचे प्रमुख सिद्धांत समजून घेण्यास प्रवृत्त करणे.
४. वीरशैव (लिंगायत) परंपरेतील संत परंपरा व त्यांच्या कार्याचे महत्त्व स्पष्ट करणे.
५. सूफी संप्रदायाची उत्पत्ती, तत्त्वज्ञान व आध्यात्मिक विचार समजावून सांगणे.
६. सूफी संतांच्या कार्यातून हिंदू-मुस्लिम ऐक्य व सामाजिक समन्वय यांचे महत्त्व विद्यार्थ्यांना पटवून देणे.
७. विद्यार्थ्यांमध्ये या संप्रदायांनी समाज, संस्कृती व साहित्यावर केलेल्या परिणामांचा अभ्यास करण्याची दृष्टी विकसित करणे.

| अ.क्र | घटक | अभ्यासक्रमाचा तपशील | श्रेयांक | तासिका |
|---|---|---|---|---|
| १. | नाथ संप्रदाय | १.नाथ संप्रदायाचे तत्त्वज्ञान<br>२.नाथ संप्रदायातील उपास्य दैवते<br>३.नाथ संप्रदाय व इतर संप्रदाय | ०.४ | ०६ |
| २. | वीरशैव (लिंगायत) संप्रदाय | १.वीरशैव (लिंगायत) संप्रदायाची पार्श्वभूमी व स्वरूप<br>२.वीरशैव (लिंगायत) संप्रदायाचे मुख्य सिद्धांत | ०.८ | १२ |



प्रा. सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष, मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | ३.वीरशैव (लिंगायत) संत परंपरा व मन्मथस्वामी यांचे योगदान | | |
| ३. | सूफी संप्रदाय | १.सूफी संप्रदायाची पार्श्वभूमी व स्वरूप<br>२.सूफी संप्रदायाचे तत्त्वज्ञान<br>३.हिंदू-मुस्लिम ऐक्यात सूफी संप्रदायाचे योगदान | ०.८ | १२ |
| ४. | प्रात्यक्षिक घटक - १ ला | ग्रंथ वाचन,अहवाल व मुलाखत लेखन<br>खालीलपैकी कोणत्याही एका ग्रंथाचे वाचन करून अहवाल सादर करणे –<br>१. गोरक्षसंहिता – नाथ संप्रदाय<br>२. विवेकदर्पण – नाथ परंपरा<br>३. बसवेश्वरांची वचने – वीरशैव संप्रदाय<br>४. परमरहस्य – मन्मथ स्वामी<br>५. योगसंग्राम – शेख मोहम्मद<br>६. पद्मावत – मलिक मोहम्मद जायसी<br>७. खालिकबारी – अमीर खुसरो<br>अथवा<br>सध्या तुमच्या परिसरात असलेल्या नाथ,वीरशैव संप्रदायातील महत्त्वपूर्ण योगदान असलेल्या विभुतींची मुलाखत | ०१ | १५*२ = ३० |
| ५. | प्रात्यक्षिक घटक - २ रा | अभ्यास व सादरीकरण<br>खालीलपैकी कोणत्याही दोन विषयांवर मौखिक अथवा पॉवर पॉइंट सादरीकरण करणे –<br>१. नाथ संप्रदायाचे तत्त्वज्ञान<br>२. वीरशैव संप्रदायातील वचन परंपरा<br>३. मन्मथ स्वामी यांचे कार्य<br>४. सूफी तत्त्वज्ञान आणि प्रेमसाधना<br>५. हिंदू-मुस्लिम ऐक्यातील सूफी संतांचे योगदान | ०१ | १५*२ = ३० |



प्रा.सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

आधारभूत ग्रंथ :

१. मध्ययुगीन संप्रदाय ( नाथ,वीरशैव व सूफी ) - (संपादन) मराठी अभ्यास मंडळ, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर .

२. महात्मा बसवेश्वरांचे वचनसाहित्य – संपादन,मराठी अभ्यास मंडळ, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

संदर्भ ग्रंथ:

३. ढेरे रा.चिं. - नाथ संप्रदाय, पद्मगंधा प्रकाशन, पुणे

४. भावे वि.ल. - महाराष्ट्र सारस्वत, पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई

५. पांगारकर ल.रा. - मराठी वाङ्मयाचा इतिहास, व्हीनस प्रकाशन, पुणे

६. देशपांडे अ.ना. - मराठी वाङ्मयाचा इतिहास (खंड १), कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे

७. डॉ.बेम्बरे रवींद्र -संत मन्मथ दर्शन, महाराष्ट्र बसव परिषद प्रकाशन संस्था, हिरेमठ संस्थान भालकी जि. बिदर (कर्नाटक)

८. एजाज शेख - सूफी संप्रदाय, चिन्मय प्रकाशन, छ.संभाजीनगर

किंवा

प्रा. सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

## डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

(Major Electives- Marathi) - Level – 5.5

DSE - II (सत्र – ५ वे)

**श्रेयांक - ४ (अध्यापन २ - प्रात्यक्षिक २)** **अभ्यासपत्रिका – २ री**

**गुण** - १०० (३०+२०+३०+२०) **तासिका** - ३० + ६० = ९०

## मध्ययुगीन संप्रदाय-(महानुभाव संप्रदाय)

**उद्दिष्टे -**

१. महानुभाव संप्रदायाची ऐतिहासिक व सामाजिक पार्श्वभूमी समजावून सांगणे.

२. महानुभाव संप्रदायाची उत्पत्ती,प्रवर्तक व विस्तार यांचा परिचय करून देणे.

३. महानुभाव संप्रदायाचे तत्त्वज्ञान व प्रमुख धार्मिक संकल्पना स्पष्ट करणे.

४. महानुभाव संप्रदायातील पंचकृष्ण संकल्पना व उपास्य दैवतांची माहिती देणे.

५. महानुभावीयांची परंपरा व त्यांच्या कार्याचे महत्त्व पटवून देणे.

६. महानुभाव वाङ्मयाची वैशिष्ट्ये व मराठी भाषेच्या विकासातील योगदान समजावून सांगणे.

७. महानुभाव संप्रदायाचा समाज,संस्कृती व साहित्यावर झालेला परिणाम अभ्यासण्याची दृष्टी विद्यार्थ्यामध्ये विकसित करणे.

| अ.क्र | घटक | अभ्यासक्रमाचा तपशील | श्रेयांक | तासिका |
|---|---|---|---|---|
| ०१ | **महानुभाव संप्रदायाची पार्श्वभूमी** | १. महानुभाव संप्रदायाची उत्पत्ती व इतिहास<br>२. महानुभावाचे प्रवर्तक श्रीचक्रधर स्वामी व त्यांच्या जीवनकार्याचा परिचय<br>३. सामाजिक व धार्मिक परिस्थिती | ०.४ | ०६ |
| ०२ | **महानुभाव संप्रदायाचे तत्त्वज्ञान** | १. महानुभाव तत्त्वज्ञान (एकेश्वरवाद,द्वैत सिद्धांत,भक्तीमार्ग,नैतिकता)<br>२. पंचकृष्ण संकल्पना व उपास्य दैवते | ०.८ | १२ |



प्रा.सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | ३. आचारसंहिता व जीवनपद्धती | | |
| ०३ | **महानुभाव वाङ्मय व महानुभावीयांची परंपरा** | १. महानुभाव वाङ्मयाची वैशिष्ट्ये<br>२. लीळाचरित्र,गोविंदप्रभूचरित्र व इतर ग्रंथांचे महत्त्व<br>३. महानुभावीयांची परंपरा व त्यांचे योगदान | ०.८ | १२ |
| ०४. | **प्रात्यक्षिक घटक - १ ला** | १. ग्रंथवाचन व अहवाल लेखन<br>विद्यार्थ्यांनी खालीलपैकी कोणत्याही एका ग्रंथाचे वाचन करून १००० शब्दांचा अहवाल तयार करावा.<br>लीळाचरित्र,गोविंदप्रभूचरित्र,सूत्रपाठ, दृष्टांतपाठ,महदंबेचे धवळे | ०१ | १५*२ = ३० |
| ०५. | **प्रात्यक्षिक घटक - २ रा** | क्षेत्रभेट / आभासी भेट<br>महानुभाव संप्रदायाशी संबंधित मंदिर,मठ किंवा तीर्थस्थळाला भेट देऊन अथवा माहितीपट/दृकश्राव्य माध्यमाच्या साहाय्याने अभ्यास करून निरीक्षण नोंद तयार करावी.<br>उदा -ऋद्धिपूर,पैठण,डोमेग्राम व इतर महानुभावीय स्थळे<br>किंवा<br>खालील विषयांपैकी कोणत्याही एका विषयावर प्रकल्प किंवा पॉवर पॉइंट सादरीकरण करणे अभिप्रेत<br>१. महानुभाव संप्रदायाची सामाजिक पार्श्वभूमी<br>२. पंचकृष्ण संकल्पना<br>३. महानुभाव तत्त्वज्ञानातील एकेश्वरवाद व द्वैतवाद | ०१ | १५*२ = ३० |



प्रा.सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | ४. महानुभाव वाङ्मयाची वैशिष्ट्ये<br>५. मराठी भाषेच्या विकासातील महानुभावांचे योगदान<br>६. महानुभाव संप्रदायाचा समाजसुधारणेतील वाटा | | |

**आधारभूत ग्रंथ :**

१. मध्ययुगीन संप्रदाय (महानुभाव ) -(संपादन) मराठी अभ्यास मंडळ , डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ , छत्रपती संभाजीनगर

२. महदंबेचे धवळे - (संपादन) मराठी अभ्यास मंडळ , डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ , छत्रपती संभाजीनगर .

**संदर्भ ग्रंथः**

१. ढेरे रा.चिं. - महानुभाव संप्रदाय,पद्मगंधा प्रकाशन, पुणे

२. तुळपुळे शं.गो. - लीळाचरित्र, कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन,पुणे

३. तुळपुळे शं.गो.- महानुभाव पंथ आणि त्याचे वाङ्मय, व्हीनस प्रकाशन,पुणे

४. पांगारकर ल.रा. - मराठी वाङ्मयाचा इतिहास,व्हीनस प्रकाशन,पुणे

५. देशपांडे अ.ना. - मराठी वाङ्मयाचा इतिहास (खंड १), कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन,पुणे

६. भावे वि.ल. - महाराष्ट्र सारस्वत, पॉप्युलर प्रकाशन,मुंबई

७. केतकर शं.वा. - महानुभाव वाङ्मय व परंपरा,पुणे

८. सतीश बडवे - मध्ययुगीन मराठी वाङ्मय चिंतन आणि चर्चा,शब्दालय प्रकाशन,श्रीरामपूर

९. सतीश बडवे भक्ती परंपरेचा आंतरप्रांतीय अनुबंध - शब्दालय प्रकाशन,श्रीरामपूर

१०. (संपा.) डॉ.नरसिंग कदम /प्रा.अजित जाधव - महानुभाव संप्रदाय स्वरूप आणि विशेष, प्रभाकर पब्लिकेशन,लातूर

प्रा.सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

## डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

(Minor - Marathi) - Level – 5.5

Mn- 5 (सत्र - ५ वे)

श्रेयांक - २ (अध्यापन -२) अभ्यासपत्रिका - ५ वी

गुण - ५० (३०+२०) तासिका - ३०

## मराठी गझल

उद्दिष्टे -

१. गझलेचे स्वरूप,उगम व प्रवास जाणून घेणे.

२. गझल लेखनातील तांत्रिक बाजू व रचना लक्षात घेणे.

३. विद्यार्थ्यांमध्ये गझल लिहिण्याची क्षमता विकसित करणे.

४. अभ्यासक्रमात निवडलेल्या गझलेचे अंतरंग लक्षात घेणे.

५. गझलेतील भाषिक रूपांचा आढावा घेणे.

| अ.क्र | घटक | अभ्यासक्रमाचा तपशील | श्रेयांक | तासिका |
|---|---|---|---|---|
| १. | गझलचे स्वरूप,उगम व रचनातंत्र | १. गझल म्हणजे काय?<br>२. मराठी गझलचा उगम व प्रवास<br>३. गझलचे महत्त्वाचे घटक - (शेर, मिसरा, मतला, मकता,काफिया,रदीफ,अलामत,वृत्त(छंद),गझल विशिष्ट लय - मीटर)<br>४. गझल संकल्पना (जमीन,खयाल,राबता,गझलियत, नजाकत,सटीकता,यति)<br>५. लेखन कौशल्य | ०.४ | ०६ |

प्रा.सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | (सोपी व प्रभावी भाषा,भावनांची नेमकी अभिव्यक्ती, प्रतिमा व अलंकारांचा वापर,प्रत्येक शेर स्वतंत्र पण प्रभावी )<br>६. कविता व गझल यातील फरक<br>(रचना,विषय,यमक,लय) | | |
| २. | निवडक मराठी गझल | १. गोरी काय काळी काय - ए.के.शेख<br>२. आयुष्य तेच आहे - संगीता जोशी<br>३. तडजोड जीवनाशी - दिलीप पांढरपट्टे<br>४. ईश्वरा एवढे उपकार कर - इक्बाल मिन्ने<br>५. कोंडलेली पाखरे - शिव डोईजोडे<br>६. माझी मुलगी - योगीराज माने<br>७. हा जसा आला तसा - प्रमोद खराडे<br>८. लाव सांजवात तू - देवका देशमुख<br>९. गूढ छाया गझल - सतीश दराडे | ०.८ | १२ |
| ३. | निवडक मराठी गझल | १०. कडेने फेरफटका मारणे - डॉ.शिवाजी काळे<br>११. भरून देतो काळाचा हा दावा - कैलास गायकवाड<br>१२. हिकमतीच्या चार गोष्टी - सिराज शिकलगार<br>१३. किती कराव्या मिन्नतवाऱ्या - दास पाटील<br>१४. विठ्ठल मला निरंतर - दिवाकर जोशी<br>१५. माझा मराठवाडा - शेखर गिरी<br>१६. मनाच्या खिन्न लहरीवर - मारोती मानेमोड<br>१७. एकमेकांना चला समजाऊ आपण - युवराज नळे<br>१८. पावले गेली पुढे - अल्पना देशमुख - नायक | ०.८ | १२ |

**आधारभूत ग्रंथ :**

गझलांजली – संपादन, मराठी अभ्यासमंडळ, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

प्रा. सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष, मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

## संदर्भग्रंथ


१. ना.सी.फडके - छंदशास्त्र, व्हीनस प्रकाशन, पुणे.

२. रा.भा.पाटणकर - काव्यशास्त्र परिचय, मौज प्रकाशन, मुंबई.

३. सुरेश भट - रंग माझा वेगळा, कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे.

४. अली सरदार जाफरी - गझल और उसकी परंपरा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली.

५. मंगेश पाडगांवकर - निवडक कविता, पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई.

६. इलाही जमादार - गझल संग्रह, साकेत प्रकाशन, औरंगाबाद.

७. श्रीधर फडके - गझलिका, मॅजेस्टिक प्रकाशन, मुंबई.



प्रा.सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

(Minor - Marathi) - Level – 5.5

Mn- 6 (सत्र – ५ वे)

**श्रेयांक** - २ (**अध्यापन** - २) **अभ्यासपत्रिका** – ६ वी

**गुण** - ५० (३०+२०) **तासिका** - ३०

# अक्षरधन

**उद्दिष्टे** -

१. निवडक ‘वेचे’ व त्या वेच्याच्या साहित्यप्रकाराचे स्वरूप, वैशिष्ट्ये व महत्त्व समजून घेणे.

२. मराठी साहित्यातील निवडक वेचांचा अभ्यास करून विचारसंपन्नता विकसित करणे.

३. भाषेतील सौंदर्य, अभिव्यक्ती व शैलीवैशिष्ट्यांचा परिचय करून घेणे.

४. विद्यार्थ्यांमध्ये चिंतनशीलता, मूल्यदृष्टी व रसग्रहण क्षमता विकसित करणे.

५. विविध साहित्यिकांच्या विचारविश्वाचा परिचय करून घेणे.

| अ.क्र | घटक | अभ्यासक्रमाचा तपशील | श्रेयांक | तासिका |
|---|---|---|---|---|
| १. | ‘अक्षरधन’ मधील निवडक वेचे | १. रशियातील भ्रमंती - अण्णाभाऊ साठे<br>२. जगू पांग फेडावया मातृभूचे - इंद्रजीत देशमुख<br>३. चित्रपटांचा प्रभाव - अमोल पालेकर<br>४. सेवा आणि त्याग - शिवराज गोर्ले<br>५. मी आणि श्याम - माधव वझे<br>६. वेणूची साथ - नारायण शिंदे<br>७. रस्ता गिळत..अंग आदळत ..- अभिराम भडकमकर<br>८. स्त्री स्वातंत्र्याची उद्गाती-द्रौपदी-डॉ.पद्मरेखा धनकर<br>९. पाखरं राखणी - केशव वसेकर<br>१०. धुक्यातले दिवस - बाळासाहेब बोरसे<br>११. जगण्याची वाताहत - वसंत राठोड<br>१२. निरोप - डॉ.स्मिता पाटील | ०२ | ३० |

**आधारभूत ग्रंथ :**

अक्षरधन – संपादन, मराठी अभ्यासमंडळ, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

प्रा.सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

# डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

VSC - 3 सत्र - ५ वे (Level - 5.5)

(Vocational Skill Course - Marathi)

**श्रेयांक** – ४ **(अध्यापन २ - प्रात्यक्षिक २)** **अभ्यासपत्रिका** – ३ री

**गुण** - १०० (३०+२०+३०+२०) **तासिका** – ३०+६०= ९०

## कृत्रिम बुद्धिमत्ता व मराठी भाषा

**उद्दिष्टे -**

१. कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) या संकल्पनेची मूलभूत माहिती करून देणे.

२. मराठी भाषेच्या संदर्भात AI चा वापर व उपयुक्तता समजावून देणे.

३. भाषिक प्रक्रिया (Language Processing) मध्ये AI ची भूमिका स्पष्ट करणे.

४. मराठी भाषेतील लेखन, भाषांतर व संवादासाठी AI साधनांचा उपयोग शिकवणे.

५. डिजिटल युगात मराठी भाषेच्या संवर्धनासाठी AI चे महत्त्व पटवून देणे.

६. विद्यार्थ्यांमध्ये तांत्रिक व सर्जनशील कौशल्यांचा समन्वय विकसित करणे.

| अ.क्र | घटक | अभ्यासक्रमाचा तपशील | श्रेयांक | तासिका |
|---|---|---|---|---|
| १. | कृत्रिम बुद्धिमत्ता : संकल्पना व स्वरूप | १) कृत्रिम बुद्धिमत्ता म्हणजे काय ? व्याख्या, वैशिष्ट्ये व प्रकार<br>२) AI चे घटक – मशीन लर्निंग, नैसर्गिक भाषा प्रक्रिया (NLP), डीप लर्निंग<br>३) AI चा इतिहास व विकास<br>४) दैनंदिन जीवनातील AI चा वापर | ०.६ | १० |
| २. | मराठी भाषा व AI | १) नैसर्गिक भाषा प्रक्रिया (NLP) व मराठी भाषा | ०.७ | १० |

प्रा.सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ
छत्रपती संभाजीनगर

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | २) भाषांतर तंत्रज्ञान – मराठी ते इतर भाषा व उलट<br>३) भाषण ओळख (Speech Recognition) व टेक्स्ट-टू-स्पीच<br>४) मराठी लेखनासाठी AI साधने (जसे की लेखन सहाय्य, व्याकरण तपासणी)<br>५) डिजिटल माध्यमातील मराठी - सोशल मीडिया, ब्लॉग, ई-लर्निंग | | |
| ३. | AI व रोजगाराच्या संधी | १) कंटेंट रायटिंग, ब्लॉगिंग व डिजिटल लेखन<br>२) भाषांतरकार (Translator) व संपादन (Editing) क्षेत्र<br>३) AI ट्रेनिंग व डेटा लेबलिंग<br>४) व्हॉइस असिस्टंट, चॅटबॉट डेव्हलपमेंट<br>५) शैक्षणिक व संशोधन क्षेत्रातील संधी | ०.७ | १० |
| ४. | प्रात्यक्षिक | १. AI साधनांचा वापर करून मराठीमध्ये लघुलेखन तयार करणे.<br>२. एखाद्या परिच्छेदाचे AI च्या मदतीने भाषांतर करून तुलना करणे.<br>३. AI चॅटबॉटशी मराठीत संवाद साधून त्याचे विश्लेषण करणे.<br>४. दिलेल्या विषयावर AI च्या साहाय्याने लेख/कविता तयार करणे.<br>५. टेक्स्ट-टू-स्पीच साधन वापरून मराठी मजकुराचे ध्वनी रूपांतरण करणे.<br>३. मराठी भाषा व संगणक – विविध संशोधन लेख | ०२ | ३०*२ =६० |

प्रा. सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष, मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ
छत्रपती संभाजीनगर

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | ४. Digital India व **AI** संदर्भातील शासकीय अहवाल<br>५. ऑनलाइन साधने व प्लॅटफॉर्म (AI आधारित लेखन व भाषांतर साधने) | | |

**आधारभूत ग्रंथ :**

कृत्रिम बुद्धिमत्ता व मराठी भाषा- संपादन,मराठी अभ्यासमंडळ, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

**संदर्भ ग्रंथ:**

१. डॉ.स.ग.बापट - कृत्रिम बुद्धिमत्ता : संकल्पना व उपयोग
२. बाळ फोंडके - संगणक परिचय
३. डॉ.पुष्पा भावे - भाषा आणि संगणक
४. डॉ.मिलिंद मालशे - मराठी भाषेचे संगणकीकरण
५. आतुल जालन (अनु.- सुश्रृत कुलकर्णी) - आर्टिफिशल इंटेलिजन्स

किंवा

प्रा.सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

# डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

VSC - 4 सत्र - ५ वे (Level - 5.5)

(Vocational Skill Course - Marathi)

श्रेयांक – ४ (अध्यापन २ - प्रात्यक्षिक २) अभ्यासपत्रिका – ४ थी

गुण - १०० (३०+२०+३०+२०) तासिका – ३०+६०= ९०

## गीतलेखन तंत्र, कौशल्य व रोजगारसंधी

**उद्दिष्टे -**

१. गीतलेखनाचे स्वरूप, तंत्र व मूलभूत घटक यांची माहिती करून देणे.

२. भाव,लय,छंद,प्रतिमा यांचा वापर करून प्रभावी गीतलेखन करण्याची क्षमता विकसित करणे.

३. गीतकारासाठी आवश्यक सर्जनशीलता, भाषिक कौशल्ये व अभिव्यक्तीची जाणीव करून देणे.

४. आधुनिक माध्यमांतील गीतलेखनाचे महत्त्व समजावून देणे.

५. गीतलेखन क्षेत्रातील विविध रोजगार संधींबद्दल माहिती देणे.

६. विद्यार्थ्यांमध्ये सर्जनशील लेखनाची आवड निर्माण करणे.

| अ.क्र | घटक | अभ्यासक्रमाचा तपशील | श्रेयांक | तासिका |
|---|---|---|---|---|
| १. | **गीतलेखनाचे स्वरूप** | १) गीत म्हणजे काय? - गीताची वैशिष्ट्ये व प्रकार (भक्तिगीत,भावगीत,प्रेमगीत,लोकगीत, चित्रपटगीत इ.)<br>२) गीतलेखनातील तंत्र<br>(लय,छंद,यमक,अनुप्रास,प्रतिमा व अलंकार)<br>३) आशय,भाव व अभिव्यक्ती - कल्पनाशक्ती व भावविश्व | ०.६ | १० |
| २. | **गीतलेखन कौशल्य** | १) गीतकारासाठी आवश्यक गुण | ०.७ | १० |



प्रा.सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | (सर्जनशीलता,निरीक्षणशक्ती,भाषिक प्रभुत्व, लय व छंदाची जाण,कल्पनाशक्ती, भावनाशीलता,संवेदनशीलता,संगीताची मूलभूत जाण,संवाद कौशल्य,सातत्य व परिश्रम)<br>२) शब्दनिवड व वाक्यरचना - सोपेपणा व प्रभावीपणा<br>३) संगीत व गीत यांचे नाते - धून, ताल व शब्द यांचा समन्वय<br>४) पारंपरिक व आधुनिक गीतलेखनातील वैशिष्ट्ये | | |
| ३. | **रोजगाराच्या संधी** | १. चित्रपट,मालिका,दूरदर्शन व वेब सिरीज क्षेत्रातील गीतलेखन<br>२. जाहिरात,रेडिओ,डिजिटल मीडिया व सोशल मीडिया प्लॅटफॉर्म<br>३. स्वतंत्र गीतकार,अल्बम निर्मिती व साहित्यिक गीतलेखन<br>४. शासकीय व सांस्कृतिक कार्यक्रमांमध्ये संधी | ०.७ | १० |
| ४. | **प्रात्यक्षिक** | १. देशभक्ती,निसर्ग,मैत्री आदीसारखे विषय देऊन लघु गीत लिहिणे.<br>२. एखाद्या प्रसिद्ध गीताचे विश्लेषण करून त्यातील तंत्र व वैशिष्ट्ये ओळखणे.<br>३. दिलेल्या धून/तालावर आधारित गीत तयार करणे.<br>४. स्वतः लिहिलेल्या गीताचे वर्गात सादरीकरण करणे. | ०२ | ३० *२ = ६० |



प्रा.सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | ५. जाहिरातीसाठी लघु जिंगल (Jingle) तयार करणे | | |

**आधारभूत ग्रंथ :**

गीतलेखन तंत्र, कौशल्य व रोजगारसंधी – संपादन, मराठी अभ्यासमंडळ, डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,छत्रपती संभाजीनगर

**संदर्भ ग्रंथ:**


१. ग.दि.माडगूळकर - गीत रामायण, प्रकाशन विभाग सूचना आणि प्रसारण मंत्रालय,भारत सरकार

२. शांता शेळके - निवडक गीतसंग्रह, कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे.

३. वसंत बापट - निवडक कविता व गीतसंग्रह, मौज प्रकाशन, मुंबई.

४. सुधीर मोघे - निवडक गीतलेखन, पद्मगंधा प्रकाशन, पुणे.

५. मंगला आठलेकर - सर्जनशील लेखन तंत्र व कौशल्य, कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे.



प्रा.सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

# डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

(Field Project 2 - Marathi) - Level – 5.5

F. P - 2 (सत्र – ५ वे)

श्रेयांक - २ (अध्यापन - २) अभ्यासपत्रिका - २ री

गुण - ५० (३०+२०) तासिका - ३०

## मराठवाड्यातील बोलीभाषांचा अभ्यास

उद्दिष्टे -

१. मराठवाड्यातील विविध बोलीभाषांची ओळख करून देणे.

२. स्थानिक भाषिक वैशिष्ट्यांचे निरीक्षण व विश्लेषण करणे.

३. बोलीभाषा व प्रमाण मराठी यातील फरक समजून घेणे.

४. सामाजिक,भौगोलिक व सांस्कृतिक घटकांचा भाषेवर होणारा परिणाम अभ्यासणे.

५. बोलीभाषांमधील शब्दसंपदा व वाक्यरचनेचे संकलन करणे.

६. विद्यार्थ्यांमध्ये भाषिक विविधतेबद्दल संवेदनशीलता व आदर निर्माण करणे.

७. क्षेत्रीय अभ्यास कौशल्य विकसित करणे.

| अ.क्र | घटक | अभ्यासक्रमाचा तपशील | श्रेयांक | तासिका |
|---|---|---|---|---|
| १. | घटक - १ | १. मराठवाडा प्रदेश : भौगोलिक व सांस्कृतिक पार्श्वभूमी<br>२. मराठी भाषेतील बोलीभाषांचे स्वरूप व महत्त्व<br>३. मराठवाडी बोली : वैशिष्ट्ये व उदाहरणे | १ | १५ |
| २. | घटक - २ | १. संशोधन स्वरूप व पद्धती<br>२. क्षेत्रीय संशोधनाचे महत्त्व<br>३. परभाषेतील शब्द, वाक्य व त्याचे सांस्कृतिक संदर्भ | १ | १५ |



प्रा.सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | उपविषय | १. दोन तालुक्यातील बोलीचा तौलनिक अभ्यास<br>२. मराठवाड्यातील बोलीभाषा आणि लोकजीवन<br>३. मराठवाड्यातील स्त्री व पुरुष यांच्या बोली भाषेतील फरक<br>४. उस्मानाबादी - धाराशी बोली : कन्नड प्रभाव<br>५. लातूरी बोली : ध्वनी व शब्दवैशिष्ट्ये<br>६. नांदेडी बोली : दखनी, उर्दू व तेलुगू प्रभाव<br>७. बीड - जालना - परभणी बोली : मृदू उच्चार वैशिष्ट्ये<br>८. मराठवाडा - कर्नाटक सीमावर्ती बोली<br>९. दखनी बोली : उगम व वैशिष्ट्ये<br>१०. मराठवाडयातील ग्रामीण-शहरी बोलीभाषा व सामाजिक स्तर फरक<br>११. बोलीभाषातील म्हणी, वाक्प्रचार व लोकप्रयोग<br>१२. बोलीभाषातील लिंग, वचन व क्रियापद बदल<br>१३. बोलीभाषा व लोकसाहित्य (लोकगीत, कथा, ओव्या)<br>१४. बोलीभाषांचा आधुनिक माध्यमांवरील प्रभाव<br>१५. बोलीभाषा जतन व संवर्धनाची आवश्यकता<br>१६. अहिल्यानगर व छत्रपती संभाजीनगर सीमा परिसरातील बोलीभाषा<br>१७. स्थानिक जीवनाशी निगडित शब्द<br>१८. शेती, परंपरा, सण यांच्याशी संबंधित शब्द<br>१९. वऱ्हाडी प्रभाव असलेली बोली<br>२०. खानदेशी प्रभाव असलेली बोली<br>२१. बंजारा बोली | | |



प्रा.सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | २२. भटक्या विमुक्तांच्या बोली<br>२३. मराठवाड्यातील स्थलांतरित व्यक्तींच्या बोली भाषेचा अभ्यास<br>२४. समाज माध्यमातील बोलीभाषा<br>२५. याशिवाय त्या त्या विषयाच्या प्राध्यापकाने आपापल्या परिसरातील बोलीभाषेतील विषय प्रकल्पाकरिता द्यावेत. | | |

**संदर्भग्रंथ**


१. डॉ.भा.ल.भोळे - मराठवाडा : समाज आणि संस्कृती, विद्या प्रकाशन, नागपूर

२. सेतुमाधवराव पगडी - मराठवाड्याचा इतिहास, कॉन्टिनेंटल प्रकाशन, पुणे

३. डॉ.स.प.कुलकर्णी - संशोधन पद्धती, दिलीपराज प्रकाशन, पुणे

४. अशोक केळकर - भाषा आणि समाज, पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई

५. डॉ.रा.ग.जाधव - समाजभाषाविज्ञान, दिलीपराज प्रकाशन, पुणे


प्रा.सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

# Sixth Semester

# सत्र ६ वे

# डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

(Major - Marathi - Mandatory) - Level – 5.5

DSC - 13 (सत्र – ६ वे)

**श्रेयांक** - ४ (अध्यापन २ - प्रात्यक्षिक २) **अभ्यासपत्रिका** - १३ वी

**गुण** - १०० (३०+२०+३०+२०) **तासिका** - ३०+६०= ९०

## साहित्यविचार - भाग - २

**उद्दिष्टे -**

१. साहित्यनिर्मितीत शब्दशक्ती व अर्थनिर्मिती यांचे महत्त्व समजावून देणे.

२. भारतीय काव्यशास्त्रातील रससिद्धांताचे स्वरूप व घटक विद्यार्थ्यांना समजावून सांगणे.

३. साहित्याच्या अभ्यासात साहित्यमूल्यांची भूमिका स्पष्ट करणे.

४. साहित्यकृतीचे सौंदर्य, भावानुभव व मूल्यात्मक पैलू समजून घेण्याची दृष्टी विकसित करणे.

५. विद्यार्थ्यांमध्ये साहित्याचे चिकित्सक आकलन विकसित करणे.

| अ.क्र | घटक | अभ्यासक्रमाचा तपशील | श्रेयांक | तासिका |
|---|---|---|---|---|
| १. | शब्दशक्ती व अर्थविचार | १. शब्दशक्ती : संकल्पना<br>२. शब्दशक्तीचे प्रकार -अभिधा व तिचे प्रकार लक्षणा शब्दशक्ती प्रकारासह, व्यंजना शब्दशक्ती प्रकारासह<br>३. शब्द व अर्थ यांचे परस्परसंबंध<br>४.सोस्यूर,ऑग्डन,आय.ए.रिचर्डस् यांच्या भूमिका व विचार | ०.४ | ०६ |
| २. | रसविचार | १. रससिद्धांत : संकल्पना व उगम<br>२. भरताचे रससूत्र<br>३. रसाची रचना | ०.८ | १२ |



प्रा. सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | (स्थायीभाव, विभाव, अनुभाव, संचारीभाव, अष्टसात्त्विक भाव)<br>४. रसांचे प्रकार - (शृंगार, वीर, करुण, हास्य अद्भुत, रौद्र, भयानक, बीभत्स, शांत)<br>५. रससंख्या<br>६. रसास्वादाची प्रक्रिया<br>७. रसविघ्ने<br>८. ॲरिस्टॉटल, लॉन्जाईनस, विल्यम वर्डस्वर्थ यांचे रसासंदर्भातील विचार | | |
| ३. | साहित्य व साहित्यमूल्ये | १. साहित्याची संकल्पना व स्वरूप<br>२. साहित्यमूल्ये संकल्पना व स्वरूप<br>३. साहित्यातील मूल्ये - सौंदर्यमूल्य - (रुपसौंदर्य, भावसौंदर्य, कल्पनासौंदर्य, रससौंदर्य) नैतिक मूल्य-(सत्यनिष्ठा, शिव, कर्तव्यभावना, समर्पण, त्याग व सदाचार) सामाजिक मूल्य-(समता, स्वातंत्र्य,बंधुता,सामाजिक न्याय व मानवतावाद),सांस्कृतिक मूल्य- (परंपरा व संस्कार, आध्यात्मिक विचार, भाषा व लोकसंस्कृती, कला व जीवनशैली )<br>४. साहित्य व समाज यांचे नाते<br>५. साहित्याचे मूल्यांकन<br>६. मॅथ्यू ॲर्नोल्ड, इलियट व ब्रुक्स यांची मते | ०.८ | १२ |

प्रा. सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ४. | प्रात्यक्षिक | १. एखाद्या कलाकृतीतील शब्दशक्तीची उदाहरणे शोधणे.<br>२. एखाद्या कथेतील अथवा कवितेतील रस व त्याचे घटक ओळखणे.<br>३. निवडक कलाकृतीतील साहित्यमूल्यांचे विश्लेषण करणे.<br>४. विद्यार्थ्यांनी रसविचारावर लघुप्रस्तुतीकरण करणे.<br>५. साहित्यकृतीचे मूल्यांकनात्मक परीक्षण लिहिणे.<br>६. साहित्य व समाज यांचे नाते यासंदर्भात गटचर्चा करणे. | ०२ | ३० *२ = ६० |

संदर्भ ग्रंथः


१. गणेश त्र्यंबक देशपांडे - भारतीय साहित्यशास्त्र, पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई

२. डॉ.स.रा.गाडगीळ - काव्यशास्त्रप्रदीप - साहित्यविचार, व्हीनस प्रकाशन, पुणे

३. डॉ.रा.भा.पाटणकर - सौंदर्यमीमांसा,मौज प्रकाशन, मुंबई.

४. अ. वा. कुलकर्णी - साहित्य विचार

५. डॉ.दि.के.बेडेकर - साहित्यविचार, सुविचार प्रकाशन, पुणे.

६. डॉ.अ.ना.देशपांडे - भारतीय काव्यशास्त्र, कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे.

७. डॉ.गो.मा.कुलकर्णी - साहित्य : स्वरूप व समीक्षा, कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे.

८. डॉ.वि.भा.देशपांडे - साहित्यशास्त्राची ओळख, कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे.

९. डॉ.शरश्चंद्र मुक्तिबोध - साहित्यविचार आणि समीक्षा, पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई.

१०. डॉ.रा.ग.जाधव - साहित्य समीक्षा : स्वरूप व प्रकार, कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे.

११. डॉ.गंगाधर पाटील – साहित्यविचार, पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई.

१२. डॉ.वसंत पाटणकर – साहित्य सिद्धांत, कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन, पुणे.

१३. Aristotle – Poetics, Penguin Classics, London.

१४. Longinus – On the Sublime, Harvard University Press, Cambridge.




प्रा.सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

# डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

(Major - Marathi - Mandatory) - Level – 5.5

DSC – 14 (सत्र – ६ वे)

श्रेयांक - ४ (अध्यापन २ - प्रात्यक्षिक २) अभ्यासपत्रिका - १४ वी

गुण - १०० (३०+२०+३०+२०) तासिका - ३०+६० = ९०

## मराठी भाषाविज्ञान भाग - २

उद्दिष्टे -

१. वाक्यरचनेचे शास्त्रीय स्वरूप समजून घेता येईल.

२. मराठी भाषेतील वाक्यरचना व तिचे प्रकार अभ्यासता येतील.

३. शब्दाच्या अर्थनिर्मितीची प्रक्रिया समजून घेता येईल.

४. अर्थविज्ञानातील विविध संकल्पनांचा अभ्यास करता येईल.

५. भाषा व समाज यांच्यातील परस्परसंबंध समजून घेता येईल.

६. मराठीतील बोलीभाषा व भाषिक विविधतेची जाणीव निर्माण होईल.

७. भाषिक बदल व आधुनिक भाषिक प्रवाहांचा अभ्यास करता येईल.

| अ.क्र | घटक | अभ्यासक्रमाचा तपशील | श्रेयांक | तासिका |
|---|---|---|---|---|
| १. | वाक्यविचार | १. व्याख्या<br>२. वाक्यरचना, स्वरूप व प्रकार<br>३. वाक्यपृथकरण | ०.४ | ०६ |
| २. | शब्द व अर्थविचार | १. अर्थविचाराची संकल्पना<br>२. शब्दाचा अर्थ व अर्थनिर्मिती प्रक्रिया<br>३. अर्थाचे प्रकार, अर्थपरिवर्तन संकल्पना, अर्थपरिवर्तनाची कारणे | ०.८ | १२ |



प्रा. सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष, मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ३. | समाजभाषा विज्ञान | १. समाजभाषाविज्ञानाची संकल्पना<br>२. भाषा व समाज यांचा परस्परसंबंध<br>३. बोलीभाषा व प्रमाणभाषा, मराठीतील प्रमुख बोलीभाषा, भाषिक विविधता,भाषा व संस्कृती, भाषा व सामाजिक घटक | ०.८ | १२ |
| ४. | प्रात्यक्षिक | १. विविध प्रकारची वाक्य ओळखून त्यांचे विश्लेषण करणे.<br>२. मराठीतील काही शब्दांचे अर्थपरिवर्तन शोधून त्यांची उदाहरणांसह नोंद करणे.<br>३. स्थानिक बोलीभाषेचा लघु सर्वेक्षणाद्वारे अभ्यास करणे.<br>४. माध्यमांतील (टीव्ही, मोबाईल, सोशल मीडिया) भाषेचा वापर निरीक्षण करून छोटा अहवाल तयार करणे. | ०२ | ३० *२ = ६० |
| | | | | |

**संदर्भ ग्रंथ:**


१. ना.गो.कालेलकर - भाषा : इतिहास आणि भूगोल, मौज प्रकाशन गृह, मुंबई

२. आवृत्ती – पुनर्मुद्रित, प्रकाशन वर्ष - २०१२

३. डॉ.अशोक रा.केळकर - भाषा, संस्कृती आणि समाज, मौज प्रकाशन गृह, मुंबई, आवृत्ती - २ री, प्रकाशन वर्ष - २००३

४. कृ.पां.कुलकर्णी - मराठी भाषा : उद्गम व विकास,महाराष्ट्र राज्य साहित्य संस्कृती मंडळ, मुंबई , प्रकाशन वर्ष - १९९७

५. डॉ.गंगाधर पाटील - भाषा आणि भाषाविज्ञान,डायमंड प्रकाशन, पुणे, प्रकाशन वर्ष – २००९

६. डॉ.द.ग.गोडसे - भाषा आणि तिचे विज्ञान,कॉन्टिनेंटल प्रकाशन, पुणे, प्रकाशन वर्ष – १९९५

७. डॉ.भालचंद्र नेमाडे - भाषा, साहित्य आणि संस्कृती, पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई, प्रकाशन वर्ष - २०१०



प्रा.सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

८. डॉ.भालचंद्र फडके – भाषा आणि भाषाविज्ञान, पद्मगंधा प्रकाशन, पुणे, प्रकाशन वर्ष – २००८

९. महाराष्ट्र राज्य साहित्य संस्कृती मंडळ - मराठी विश्वकोश (भाषा खंड), महाराष्ट्र राज्य साहित्य संस्कृती मंडळ, मुंबई, प्रकाशन वर्ष - २०१५

१०. डॉ.द.न.गोखले - भाषाविज्ञान : संकल्पना आणि स्वरूप,डायमंड प्रकाशन, पुणे

११. प्रकाशन वर्ष - २००६

१२. डॉ.मिलिंद मालशे - भाषाविज्ञान : सिद्धांत आणि उपयोग, पद्मगंधा प्रकाशन, पुणे, प्रकाशन वर्ष – २०१४

प्रा.सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

# डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

(Indian Knowledge System – Marathi) Level – 5.5

DSC – 15 (सत्र - ६ वे)

श्रेयांक – २ (अध्यापन २) अभ्यासपत्रिका - १५ वी

गुण – ५० (३०+२०) तासिका - ३०

## भारतीय ज्ञानप्रणाली व मराठी साहित्य

**उद्दिष्टे -**

१. मराठी साहित्याच्या विविध कालखंडांतील ज्ञानपरंपरेचा परिचय करून घेणे.

२. म्हणी,लोकगीते, गाथासप्तशती, संतसाहित्य, पोवाडे, शिलालेख व आधुनिक साहित्य यांमधील ज्ञानघटक ओळखणे.

३. मौखिक साहित्यामध्ये प्रतिबिंबित होणारे कृषिज्ञान, आरोग्यज्ञान, व्यवहारज्ञान, अर्थनियोजन व सामाजिक मूल्यांचे स्वरूप समजून घेणे.

४. पोवाडे, भारूड व ओव्यांमधून ऐतिहासिक, सांस्कृतिक व नैतिक मूल्यांची जाणीव विकसित करणे.

५. आधुनिक मराठी साहित्यातील वैज्ञानिक, सांगीतिक, कौटुंबिक, पर्यावरणीय व संशोधनपर जाणिवांचा अभ्यास करणे.

| अ.क्र | घटक | अभ्यासक्रमाचा तपशील | श्रेयांक | तासिका |
|---|---|---|---|---|
| १. | **मौखिक साहित्य, गाथसप्तशती, शिलालेख व ताम्रपट** | १. मौखिक साहित्य व ज्ञान<br>**१.१ म्हणी -**<br>१. थेंबे थेंबे तळे साचे (संचयज्ञान )<br>२. लवकर निजे, लवकर उठे, तया धन आरोग्य संपत्ती भेटे (आरोग्यज्ञान ) | ०.७ | ११ |



प्रा. सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष, मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | ३. रोहिणीचा पाऊस, धान्य भरघोस<br>(ऋतुचक्र, कृषिज्ञान )<br>४.हातचे सोडून पळत्याच्या पाठी धावू नये – (व्यवहारज्ञान, निर्णयक्षमता)<br>५.जिथे इच्छा तिथे मार्ग – (प्रेरणादायी ज्ञान, ध्येयवाद)<br>६. दूध पोळले की ताकही फुंकून पितात – (अनुभवजन्य ज्ञान, सावधगिरी)<br>७.शितावरून भाताची परीक्षा – (निरीक्षण व अनुमानज्ञान)<br>८.अंथरूण पाहून पाय पसरावे – (अर्थनियोजन, व्यवहारज्ञान)<br>९.ज्याची खावी पोळी, त्याची वाजवावी टाळी – (कृतज्ञता, सामाजिक संबंधांचे ज्ञान)<br>१०.चोर सोडून संन्याशाला फाशी – (न्यायव्यवहाराचे ज्ञान)<br>**१.२ लोकगीत (ओवी)** -<br>१. "भरल्यात तिन्ही सांजा,म्हणू नका नाही नाही<br>"लक्ष्मी आली बाई ,शेतकऱ्याच्या कष्टापायी"<br>(श्रमज्ञान )<br>२.आठवड्या सुकूरवारी,सारविते चारी कोन<br>देवा माझ्या बालाजीचं,रमलंय मन"<br>(आध्यात्मिकतेचे आवरण व स्वच्छताविषयक ज्ञान ) | | |



प्रा.सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | ३. "सकाळ उठुनी,तोंड पहावं गाईचं, दारी तुळशी बाईचं"<br>(तुळस - प्रतिजैविक - आरोग्यज्ञान ; गाय - पौष्टिक अन्नाचा स्रोत , कॅल्शियम, प्रथिने )<br>**२. गाथासप्तशती -**<br>"चैत्तरवरिणी पिअदंसणा अ तरुणी पउत्थवहुँआ अं। असई सऑज्जिआ, दुग्गआ अ ,ण हु खण्डिअं सीलम् ॥३६॥"(चारित्र्यज्ञान )<br>३.शिलालेख व ताम्रपट<br>( विविध राजांची माहिती, प्रशासन ज्ञान, भाषाज्ञान | | |
| २. | **मध्ययुगीन साहित्य** | २.१ ओवी<br>१."तरी पृथ्वी आप तेज ।<br>वायु व्योम इयें तुज ।<br>सांगितलीं बुझ ।<br>महाभूतें पांचें ॥"<br>- ज्ञानेश्वरी, अध्याय १३, ओवी ७६ (विश्वातील मूलभूत घटकांचा विचार -पर्यावरणीय व भौतिक ज्ञान)<br>२. 'आकाश म्हणिजेतें अंतरात्म्यासी ।<br>तयापासून जन्म वायोसी। वायोपासून तेजासी। जन्म जाला ॥ ७ ॥<br>(श्री समर्थ दासबोध, दशक - १३)<br>( विश्वातील उत्क्रांती घटकाचे क्रमाने ज्ञान )<br>२.२ भारूड | ०.७ | ११ |



प्रा. सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष, मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | बुरगुंडा होईल, बुरगुंडा होईल ॥ - संत एकनाथ (आत्मज्ञान)<br>२.३ पोवाडा - ऐतिहासिक व सांस्कृतिक ज्ञान<br>"प्रतापगडी झाला मेळा,<br>भेटी आला खान;<br>वाघनखांनी केला घाव,<br>पडला अफझलखान !" | | |
| ३. | आधुनिक साहित्य व ज्ञान | १.झपताल (कविता) - विंदा करंदीकर (सांगीतिक व कौटुंबिक ज्ञान )<br>२.देवळाई (चकवाचांदण ) - मारुती चित्तमपल्ली (पशुपक्षीविषयक ज्ञान, संशोधन )<br>३. स्वामी विवेकानंदांचे विचार - मेधा इनामदार (सत्यज्ञान) | ०.६ | ०८ |

(नोट - या अभ्यासपत्रिकेतील रचना ज्ञानाच्या दृष्टिकोनातून प्रातिनिधिक स्वरूपात दिलेल्या आहेत.)

**आधारभूत ग्रंथ :** भारतीय ज्ञानप्रणाली व मराठी साहित्य - (संपादन) मराठी अभ्यास मंडळ, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ , छत्रपती संभाजीनगर

**संदर्भ ग्रंथ:**


१. डॉ. सदानंद मोरे - ज्ञानेश्वरी: एक अभ्यास, सकाळ प्रकाशन, पुणे.

२. डॉ. रा. चिं. ढेरे - लोकसाहित्य: शोध आणि समीक्षा, पद्मगंधा प्रकाशन, पुणे.

३. संपा.वि.भि.कोलते - गाथासप्तशती, महाराष्ट्र राज्य साहित्य आणि संस्कृती मंडळ, मुंबई.

४. विंदा करंदीकर - मृदगंध (झपताल कविता समाविष्ट), पॉप्युलर प्रकाशन, मुंबई.

५. मारुती चित्तमपल्ली - चकवाचांदण, मौज प्रकाशन, मुंबई.

६. साने गुरुजी - श्यामची आई आणि इतर लेख, साधना प्रकाशन, पुणे. (नचिकेताचे ज्ञान निबंधासाठी)


प्रा.सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

# डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

(Major Elective - Marathi) - Level - 5.5

DSE – 3 (सत्र - ६ वे)

श्रेयांक - ४ (अध्यापन २ - प्रात्यक्षिक २) अभ्यासपत्रिका – ३ री

गुण - १०० (३०+२०+३०+२०) तासिका - ३० + ६० = ९०

## मध्ययुगीन - संप्रदाय (वारकरी संप्रदाय)

**उद्दिष्टे -**

१. महाराष्ट्रातील वारकरी संप्रदायाची ओळख करून देणे.

२. विद्यार्थ्यांना वारकरी संतांच्या साहित्याचे स्वरूप वैशिष्ट्ये व तत्त्वज्ञान समजावून सांगणे.

३. संतसाहित्यातील भक्तीभाव, समता, नैतिकता व सामाजिक संदेश यांचा अभ्यास करणे.

४. वारकरी संप्रदायाचा महाराष्ट्राच्या संस्कृती, परंपरा व समाजजीवनावर झालेला प्रभाव स्पष्ट करणे.

५. संतांच्या विचारांच्या माध्यमातून मानवी मूल्ये व सामाजिक ऐक्य यांची जाणीव करून देणे.

६. विद्यार्थ्यांना वारकरी परंपरेतील वारी, कीर्तन, अभंग इत्यादींचे महत्त्व समजून घेण्यास प्रवृत्त करणे.

| अ.क्र | घटक | अभ्यासक्रमाचा तपशील | श्रेयांक | तासिका |
|---|---|---|---|---|
| १. | **वारकरी संप्रदायाची पार्श्वभूमी व स्वरूप** | १. वारकरी संप्रदायाची उत्पत्ती व इतिहास<br>२. वारकरी संप्रदायाची प्रमुख तत्त्वे<br>३. वारी परंपरा व धार्मिक आचार | ०.४ | ०६ |
| २. | **संत साहित्य व वैशिष्ट्ये** | १. संत साहित्याचे स्वरूप (अभंग, ओवी, कीर्तन व अन्य)<br>२. प्रमुख संत व त्यांचे कार्य ( संत ज्ञानेश्वर, संत नामदेव, संत तुकाराम व इतर महत्त्वाचे संत) | ०.८ | १२ |



प्रा.सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | ३. संतसाहित्यातील तत्त्वज्ञान व सामाजिक संदेश | | |
| ३. | संस्कृती व समाज जीवनावर प्रभाव | १. वारकरी संप्रदायाचा सामाजिक प्रभाव<br>२. सांस्कृतिक परंपरा व लोकजीवनातील योगदान<br>३. समता, बंधुता व नैतिक मूल्यांची जपणूक | ०.८ | १२ |
| ४. | प्रात्यक्षिक घटक – १ ला | वारीविषयक<br>१.आषाढी किंवा कार्तिकी वारीविषयी माहिती संकलित करणे.<br>२.वारीतील वारकऱ्यांची मुलाखत घेणे.<br>३.वारीशी संबंधित चित्रे, छायाचित्रे किंवा माहितीचे संकलन करणे.<br>४.'वारी : श्रद्धा आणि संस्कृती'या विषयावर लघुअहवाल तयार करणे. | ०१ | १५*२ = ३० |
| ५. | प्रात्यक्षिक घटक – २ रा | वारकरी संप्रदायातील संत व त्यांच्या रचना विषयक<br>१. संत ज्ञानेश्वर,संत नामदेव, संत तुकाराम किंवा वारकरी संप्रदायातील कोणत्याही संताचा परिचय तयार करणे.<br>२. संतांच्या निवडक अभंगांचे वाचन करून त्यातील सामाजिक संदेश नोंदविणे.<br>३. 'संत साहित्य आणि समाजप्रबोधन' या विषयावर ८००–१००० शब्दांचा अहवाल तयार करणे.<br>४. संतविचारांतील समता, मानवता,नैतिकता व बंधुभाव यांची उदाहरणे संकलित करणे. | ०१ | १५*२ = ३० |

**आधारभूत ग्रंथ :**


१. मध्ययुगीन संप्रदाय (वारकरी ) -(संपादन) मराठी अभ्यास मंडळ, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ , छत्रपती संभाजीनगर





प्रा. सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

२. संत चोखामेळा यांचे अभंग - (संपादन) मराठी अभ्यास मंडळ,डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,छत्रपती संभाजीनगर .

संदर्भ ग्रंथ:

१. ढेरे रा.चिं. - महाराष्ट्राचा देव्हारा, पद्मगंधा प्रकाशन, पुणे

२. पांगारकर ल.रा. - मराठी वाङ्मयाचा इतिहास, नूतन प्रकाशन, पुणे

३. भावे वि.ल. - महाराष्ट्र सारस्वत, पॉप्युलर प्रकाशन, पुणे

४. नसिराबादकर, ल.रा. - मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास, स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे

५. गं.बा.सरदार - संत साहित्याची सामाजिक फलश्रुती, विद्या प्रकाशन,पुणे

६. डॉ.निर्मलकुमार फडकुले - संत साहित्य सौंदर्य आणि सामर्थ्य, (मनोगत), स्वरुप प्रकाशन, औरंगाबाद

७. डॉ.यू.म.पठाण - संत साहित्य चिंतन, प्रकाशिका अल्मास पठाण, औरंगाबाद

८. नामदेव शास्त्री – ज्ञानेश्वरी पराग परामर्श, साकेत प्रकाशन, औरंगाबाद

९. डॉ.कैलास इंगळे - वाङ्मयीन मराठवाडा, चिन्मय प्रकाशन, औरंगाबाद, पहिली आवृत्ती २०१७

१०. डॉ. दत्तात्रय डुंबरे – सार्वकालिक ज्ञानदेव - तुकाराम,ग्रंथाली प्रकाशन,मुंबई

किंवा

प्रा.सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

# डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

(Major Elective - Marathi) - Level - 5.5

DSE – 4 (सत्र - ६ वे)

श्रेयांक - ४ (अध्यापन २ - प्रात्यक्षिक २) अभ्यासपत्रिका – ४ थी

गुण - १०० (३०+२०+३०+२०) तासिका - ३० + ६० = ९०

## मध्ययुगीन संप्रदाय - (दत्त,नागेश,समर्थ व इतर संप्रदाय)

**उद्दिष्टे -**

१. महाराष्ट्रातील दत्त,नागेश व समर्थ संप्रदायांची ओळख करून देणे.

२. या विविध संप्रदायांच्या तत्त्वज्ञानाचे व परंपरेचे आकलन करून देणे.

३. या विविध संप्रदायातील प्रमुख संतांचे कार्य व विचार समजावून सांगणे.

४. दत्त, नागेश व समर्थ संप्रदायांचा समाजजीवन व संस्कृतीवर झालेला प्रभाव स्पष्ट करणे.

५. या विविध संप्रदायांतील भक्ती, साधना, नैतिकता व सामाजिक संदेश यांचा अभ्यास करणे.

६. विद्यार्थ्यांना या परंपरांतील धार्मिक आचार, ग्रंथ व साधनापद्धती यांचे महत्त्व समजून घेण्यास प्रवृत्त करणे.

| अ.क्र | घटक | अभ्यासक्रमाचा तपशील | श्रेयांक | तासिका |
|---|---|---|---|---|
| १. | **दत्त,नागेश व समर्थ संप्रदायांची पार्श्वभूमी व स्वरूप** | १. दत्त संप्रदायाची उत्पत्ती व इतिहास<br>२. नागेश संप्रदायाची पार्श्वभूमी व वैशिष्ट्ये<br>३. समर्थ संप्रदायाची स्थापना व विकास | ०.४ | ०६ |
| २. | **तत्त्वज्ञान व प्रमुख संत** | १. दत्त संप्रदायातील तत्त्वज्ञान व साधना पद्धती, श्री दत्तात्रेय परंपरा | ०.८ | १२ |



प्रा.सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | २. नागेश संप्रदायातील विचार व धार्मिक आचार, नागेश संप्रदायातील संत<br>३. समर्थ संप्रदायातील तत्त्वज्ञान, स्वामी समर्थ रामदासांचे विचार | | |
| ३. | **संस्कृती व समाजजीवनावरील प्रभाव** | १. दत्त, नागेश व समर्थ संप्रदायांचा सामाजिक प्रभाव<br>२. सांस्कृतिक परंपरा व लोकजीवनातील योगदान<br>३. नैतिक मूल्ये, संघटनशक्ती व राष्ट्रभावनेची जपणूक | ०.८ | १२ |
| ४. | **प्रात्यक्षिक घटक – १ ला** | ग्रंथपरिचय<br>(कोणत्याही एका संप्रदायातील एका ग्रंथाचा परिचय अभिप्रेत)<br>१.दत्त संप्रदाय<br>ग्रंथ - श्रीगुरुचरित्र (श्री सरस्वती गंगाधर ), श्रीगुरुलीलामृत - वामनबुवा वैद्य,दत्तप्रबोध, दत्तमहात्म्य,अवधूतगीता,त्रिपुरारहस्य, जीवनमुक्तगीता<br>**२.** नागेश संप्रदाय<br>ग्रंथ - नागेशलीलामृत,नागेशनाथ चरित्र, नागेशविजय याबरोबरच नागेश संप्रदायातील संतांचे अभंग,पदे,वचने,हस्तलिखित व पोथ्या यांचे संकलन<br>**३.** समर्थ संप्रदाय<br>दासबोध,मनाचे श्लोक,करुणाष्टके, श्रीरामदासस्वामींची स्फुट प्रकरणे,भक्तिरहस्य, सुंदरकांड व युद्धकांडावरील रामदासी परंपरेतील विवेचनात्मक ग्रंथ | ०१ | १५*२ = ३० |



प्रा.सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| ५. | प्रात्यक्षिक घटक – २ रा | क्षेत्रभेट व अहवाल लेखन<br>विद्यार्थ्यांनी दत्त, नागेश किंवा समर्थ संप्रदायाशी संबंधित एखाद्या मठ, मंदिर, समाधीस्थळ किंवा धार्मिक केंद्रास भेट देऊन त्याविषयी ५०० शब्दांचा अहवाल तयार करावा.<br>किंवा<br>संतचरित्र अभ्यास<br>पुढीलपैकी कोणत्याही एका संताचे चरित्र व कार्य यांचा अभ्यास करून १००० शब्दांचा लेख तयार करावा.<br>१. श्री दत्तात्रेय परंपरेतील संत<br>२. नागेश संप्रदायातील प्रमुख संत<br>३. समर्थ रामदास स्वामी | ०१ | १५*२ = ३० |

**आधारभूत ग्रंथ :**

१. मध्ययुगीन संप्रदाय ( दत्त ,नागेश व समर्थ ) -(संपादन) मराठी अभ्यास मंडळ, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,छत्रपती संभाजीनगर

२. मनाचे श्लोक - (संपादन) मराठी अभ्यास मंडळ,डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,छत्रपती संभाजीनगर .

**संदर्भ ग्रंथ:**


१. रा.चिं.ढेरे - महाराष्ट्राचा देव्हारा, पद्मगंधा प्रकाशन, पुणे

२. ल.रा.पांगारकर - मराठी वाङ्मयाचा इतिहास, नूतन प्रकाशन,पुणे

३. वि.ल.भावे - महाराष्ट्र सारस्वत,पॉप्युलर प्रकाशन, पुणे

४. ल.रा.नसिराबादकर - मध्ययुगीन मराठी वाङ्मयाचा इतिहास, स्नेहवर्धन प्रकाशन, पुणे

५. रा.चिं.ढेरे - दत्त संप्रदायाचा इतिहास, पद्मगंधा प्रकाशन,पुणे

६. श्री समर्थ रामदास आणि रामदासी संप्रदाय - मधुकर रामदास जोशी, सह्याद्री बुक्स



प्रा.सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

# डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

(Minor - Marathi) - Level - 5.5

Mn- 7 (सत्र - ६ वे)

श्रेयांक - २ अभ्यासपत्रिका – ३ री

गुण - ५० (३०+२०) तासिका - ३०

## मराठीतील निवडक व्यक्तिचित्रे

**उद्दिष्टे**

१. व्यक्तिचित्र म्हणजे काय, त्याचे स्वरूप व वैशिष्ट्ये समजून घेणे.

२. मराठी साहित्य प्रवासातील व्यक्तिचित्रांचा उगम व विकास जाणून घेणे.

३. व्यक्तिचित्र लेखनातील तांत्रिक वैशिष्ट्ये व शैली आत्मसात करणे.

४. विद्यार्थ्यांमध्ये निरीक्षणशक्ती, व्यक्तिमत्त्वाचे आकलन व प्रभावी लेखन कौशल्य विकसित करणे.

५. विविध मूल्यविचारांचा आढावा घेणे.

| अ.क्र | घटक | अभ्यासक्रमाचा तपशील | श्रेयांक | तासिका |
|---|---|---|---|---|
| १. | व्यक्तिचित्राचे स्वरूप - विशेष | १. व्यक्तिचित्र म्हणजे काय?<br>२. मराठी साहित्यातील व्यक्तिचित्राचा उगम व प्रवास<br>३. व्यक्तिचित्राचे प्रकार<br>(आत्मीय, विनोदी, चरित्रात्मक, संस्मरणात्मक)<br>४. व्यक्तिचित्रातील महत्त्वाचे घटक<br>(व्यक्तिमत्त्वाचे ठळक गुण -<br>बाह्य व अंतर्गत वैशिष्ट्ये, भाषाशैली व वर्णनशैली, प्रसंगनिष्ठता व वास्तवता, लेखकाचा दृष्टिकोन व भावनिकता ) | ०.५ | ०७ |
| २. | व्यक्तिचित्र लेखन तंत्र व कौशल्य | १. व्यक्तिचित्र लेखनाची संकल्पना<br>(व्यक्तीचे जिवंत चित्रण, अनुभवाधारित लेखन, प्रभावी मांडणी) | ०.५ | ०८ |



प्रा. सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष, मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | २. लेखन कौशल्य - (सूक्ष्म निरीक्षण करण्याची क्षमता, नेमके व प्रभावी शब्दप्रयोग, प्रसंगांचे जिवंत वर्णन, व्यक्तिमत्त्वातील वैशिष्ट्ये अधोरेखित करणे, संवाद, आठवणी व उदाहरणांचा उपयोग, साधी - ओघवती व प्रभावी भाषा )<br>३ व्यक्तिचित्र व इतर कथात्म साहित्य प्रकार तुलना | | |
| ३. | निवडक व्यक्तिचित्रे | १. दिव्यतेचा दीपस्तंभ : गोविंदभाई श्रॉफ - डी.बी.जगत्पुरिया<br>२. स्वामीनाथन भूकमुक्तीचा ध्यास - अतुल देऊळगावकर<br>३. विनोदाचे वतनदार : द.मा.मिरासदार - प्रा.नरेंद्र पाठक<br>४. डॉ.बी.आर.बारवाले - निशिकांत भालेराव<br>५. संतवाणीचे पाणी प्यालेला पंडित - निर्मलकुमार फडकुले<br>६. आंबेडकरवादी संपादक शिल्पकार: गंगाधर पानतावणे - डॉ.वासुदेव मुलाटे<br>७. अनाथांची माय : सिंधुताई सपकाळ - प्रा.मिलिंद जोशी<br>८. डॉ.हिंमतराव बावस्कर - शुभदा चंद्रचुड | ०१ | १५ |

**आधारभूत ग्रंथ :**

व्यक्तिवेध – संपादन, मराठी अभ्यासमंडळ, डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,छत्रपती संभाजीनगर

**संदर्भग्रंथ**


१. गंगाधर गाडगीळ - निवडक व्यक्तिचित्रे, मौज प्रकाशन, मुंबई.

२. अनंत काणेकर - व्यक्ती आणि लेख, मौज प्रकाशन, मुंबई.


प्रा.सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

## डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

(Minor - Marathi) - Level – 5.5

Mn- 8 (सत्र – ६ वे)

श्रेयांक – २ | अभ्यासपत्रिका – ८ वी

गुण - ५० (३०+२०) | तासिका - ३०

## मराठवाड्यातील कविता

**उद्दिष्टे -**

१. मराठवाड्यातील काव्यपरंपरा, सांस्कृतिक पार्श्वभूमी व साहित्यवैशिष्ट्ये समजून घेणे.

२. मराठवाड्यातील निवडक कवींच्या कवितांमधील आशय, शैली व जीवनदृष्टीचा अभ्यास करणे.

३. कवितेतील प्रतिमा, प्रतीक, अलंकार, भावसौंदर्य व भाषिक वैशिष्ट्ये आत्मसात करणे.

४. विद्यार्थ्यांमध्ये काव्यवाचन, रसग्रहण, चिंतन व अभिव्यक्ती क्षमता विकसित करणे.

५. मराठवाड्याच्या सामाजिक, सांस्कृतिक, ग्रामीण व मानवी मूल्यांचा परिचय करून घेणे.

| अ.क्र | घटक | अभ्यासक्रमाचा तपशील | श्रेयांक | तासिका |
|---|---|---|---|---|
| ०१. | **मराठवाड्यातील काव्यपरंपरा : स्वरूप व वैशिष्ट्ये** | मराठवाड्यातील काव्यपरंपरा : स्वरूप व वैशिष्ट्ये<br>१. मराठवाड्यातील साहित्य व काव्यपरंपरेची ओळख<br>२. मराठवाड्याच्या सामाजिक-सांस्कृतिक जीवनाचा कवितेवर झालेला प्रभाव<br>३. मराठवाड्यातील कवितेची प्रमुख वैशिष्ट्ये<br>४. मराठवाड्यातील कवितेतील भाषाशैली व अभिव्यक्ती | ०.४ | ०६ |
| ०२. | **मराठवाड्यातील निवडक कविता** | १. आम्ही आहोत ऑनलाईन - देविदास फुलारी<br>२. झुडूप खुरटे राजेंद्र अत्रे | ०.८ | १२ |

प्रा. सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष, मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | ३. बळ उडाया दे रे - प्रभाकर साळेगावकर<br>४. माय भरली बारव - नारायण खरात<br>५. ऐकलंत का? - भारत हंडीबाग<br>६. माणूसपणाची परंपरा - श्रीराम गव्हाणे<br>७. भुई - पांडुरंग गिराम<br>८. आभाळाची पायपीट - अशोक गायकवाड<br>९. मायचं चित्रंग - देवानंद पवार | | |
| ०३ | **मराठवाड्यातील निवडक कविता** | १०. अनवट - प्रिया धारूरकर<br>११. आजही - शैलजा कारंडे<br>१२. सिमेंटच्या जंगलात - ज्ञानेश्वर गायके<br>१३. संसाराचं उसणं जोखड - हबीब भंडारे<br>१४. माणूस - सुनील उबाळे<br>१५. बाप - सुनील डोके<br>१६. खापराच्या पाठीवर - किशोर जऱ्हाड<br>१७. गंध फुलांचा - आयुब पठाण लोहगावकर<br>१८. महाराष्ट्र माझा - ना.वि.पठारे | ०.८ | १२ |

**आधारभूत ग्रंथ :**

मराठवाड्यातील कविता – संपादन, मराठी अभ्यासमंडळ, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

प्रा.सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

# डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, छत्रपती संभाजीनगर

(On Job Training)– Marathi- Level – 5.5

OJT – 1 (सत्र – ६ वे)

श्रेयांक – ४ अभ्यासपत्रिका – १ ली

गुण – १०० तासिका – १२०

## 'मराठी अक्षरयात्रींचे प्रशिक्षणपर्व'

**उद्दिष्टे -**

१.विद्यार्थ्यांना मराठी भाषेच्या विविध व्यावसायिक क्षेत्रांचा प्रत्यक्ष परिचय करून देणे.

२.वृत्तपत्र,आकाशवाणी,दूरचित्रवाणी,प्रकाशनसंस्था व शासकीय कार्यालयांतील कार्यपद्धतीचे ज्ञान प्राप्त करून देणे.

३.लेखन,संपादन,निवेदन,ध्वनीमुद्रण,संहितालेखन,पत्रव्यवहार व जनसंपर्क यासारखी कौशल्ये विकसित करणे.

४.मराठी भाषेच्या माध्यमातून रोजगार व उद्योजकतेच्या संधींची जाणीव निर्माण करणे.

५.प्रत्यक्ष कार्यानुभवाद्वारे विद्यार्थ्यांमध्ये संवादकौशल्य,संघभावना व व्यावसायिक दृष्टी विकसित करणे.

| अ.क्र | घटक | अभ्यासक्रमाचा तपशील | श्रेयांक | तासिका |
|---|---|---|---|---|
| ०१. | १. वृत्तपत्र | **१. वृत्तपत्र**<br>१.१ मुद्रितशोधन<br>१.२ वार्ताहर<br>१.३ संपादक<br>१.४ जाहिरात संकलन<br>**२. आकाशवाणी**<br>२.१ निवेदन<br>२.२ बातमी लेखन<br>२.३ ध्वनीमुद्रण | ०४ | ६०*२ = १२० |



प्रा.सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | २.४ कार्यक्रम नियोजन<br>**३. दूरचित्रवाणी**<br>३.१ दूरचित्रवाणी कार्यक्रम निर्मिती प्रशिक्षण<br>३.२ मुलाखत<br>३.३ संहितालेखन प्रशिक्षण<br>३.४ ध्वनी-संपादन प्रशिक्षण<br>**४. प्रकाशनसंस्था**<br>४.१ मांडणी व रचना<br>४.२ संगणकीय अक्षरजुळणी<br>४.३ छपाईपूर्व व छपाईनंतरच्या प्रक्रियांचे प्रशिक्षण<br>४.४ वितरण व्यवस्थेची ओळख<br>**५.ग्रामपंचायत,पंचायत समिती,नगरपालिका, विविधकार्यकारी सोसायटी,पतसंस्था व अन्य संस्था**<br>५.१ पत्रलेखन व पत्रव्यवहार प्रशिक्षण<br>५.२ प्रसिद्धीपत्रक तयार करणे<br>५.३ नोंदवही व दप्तरीकरण<br>५.४ जनसंपर्क व संवाद प्रशिक्षण<br>**(सूचना - विद्यार्थ्यांनी वरील पाचपैकी कोणत्याही एका विभागात प्रशिक्षण पूर्ण करणे अपेक्षित आहे.)** | | |

**संदर्भग्रंथ**


१. पुरोहित के.ज. - वृत्तपत्रविद्या, कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन,पुणे.

२. मालशे स. ग. - मुद्रितशोधन : तंत्र आणि प्रक्रिया,मौज प्रकाशन,मुंबई.

३. गाडगीळ सुधीर - मुलाखतीचे तंत्र, दिलीपराज प्रकाशन प्रा. लि.,पुणे.

४. जैन अशोक - पत्रकारिता : स्वरूप आणि दिशा,श्रीविद्या प्रकाशन,पुणे.

५. मेहेंदळे विश्वास - आकाशवाणी आणि दूरदर्शन,कॉन्टिनेन्टल प्रकाशन,पुणे.

६. जोशी मिलिंद - संवादशास्त्र,डायमंड पब्लिकेशन्स,पुणे.

७. कोत्तापल्ले नागनाथ - भाषा,साहित्य आणि प्रसारमाध्यमे,प्रतिमा प्रकाशन,पुणे.





प्रा.सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

## OJT मूल्यांकन (मराठी)

अ) **OJT (On Job Training) / Internship**

प्रत्येक विद्यार्थ्याने संस्थेत **OJT /** इंटर्नशिप सुरू केल्यानंतर एका आठवड्याच्या आत सविस्तर कृती आराखडा तयार करून संबंधित विभागीय मार्गदर्शकाकडे **(Department Advisor)** सादर करणे आवश्यक आहे.

ब) दैनंदिनी **(Diary)** ठेवणे बंधनकारक आहे, ज्यामध्ये दररोज किंवा साप्ताहिक केलेल्या कामांची नोंद केली जाईल. ही नोंद दर आठवड्याला संस्थेतील मार्गदर्शक **(Agency Mentor)** आणि विभागीय मार्गदर्शकाकडे पाठविली जाईल.

क ) OJT / इंटर्नशिप पूर्ण झाल्यानंतर, विद्यार्थ्याने आराखड्यात नमूद केलेल्या उद्दिष्टांची पूर्तता कितपत झाली याचा लेखी अहवाल (**Write-up**) तयार करावा.

ड ) अंतिम अहवाल (**Report**) सुमारे १५ ते २० पानांचा सादर करणे आवश्यक आहे.

OJT / **Internship** चे सतत अंतर्गत मूल्यमापन (CIA)

I) **OJT** चे **CIA (Continuous Internal Assessment)** विद्यापीठ विभाग / संलग्न महाविद्यालयामार्फत घेण्यात येईल.

II)अभ्यासक्रमाच्या एकूण गुणांपैकी ४०% गुण CIA साठी राखीव असतील.

III) दोन CIA परीक्षा घेतल्या जातील आणि प्रत्येकाचे वजनमान २०% असेल.

iv) पहिली CIA प्रशिक्षणाच्या १०–१५ दिवसांनी आणि दुसरी CIA २५–३० दिवसांनी घेतली जाईल.

सत्रअंत (**Semester End**) बाह्य मूल्यमापन – ६० गुण

विद्यापीठामार्फत सत्रांत परीक्षा घेण्यात येईल. या परीक्षेचे एकूण वजनमान ६०% असेल.

I ) परीक्षण दोन परीक्षकांकडून संयुक्तपणे केले जाईल :

एक अंतर्गत परीक्षक (महाविद्यालय / विद्यापीठ विभागातील)

एक बाह्य परीक्षक (इतर महाविद्यालय, विद्यापीठ विभाग किंवा उद्योगसंस्थेतील)

बाह्य मूल्यमापनाचे निकष (६० गुण)

१. सर्वसाधारण मूल्यमापन – १५ गुण

i) वक्तशीरपणा (Punctuality)

नियोजित सर्व दिवशी नियमित उपस्थित राहणे, वेळेवर येणे आणि आवश्यक कामाचे तास पूर्ण करणे.

ii) प्रामाणिकता (Sincerity)

संस्थेच्या गुणवत्तेच्या निकषांचे पालन करून समर्पणाने काम करणे व अतिरिक्त प्रयत्न करण्याची तयारी दाखविणे.

प्रा. सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष, मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

iii) पुढाकार (Initiative)

नवीन पद्धतींचा अवलंब करणे, अडचणी ओळखणे आणि त्यांवर मात करण्यासाठी सातत्याने प्रयत्न करणे.

iv) बांधिलकी (Commitment)

कामाची स्पष्ट उद्दिष्टे ठरविणे, ग्राहक / लाभार्थी समाधानाला प्राधान्य देणे व कार्यक्षमतेने जबाबदाऱ्या पार पाडणे.

v) व्यावसायिक दृष्टिकोन (Attitude towards Profession)

स्वतःच्या कृतींची जबाबदारी स्वीकारणे, सतत शिकण्याची वृत्ती ठेवणे, अभिप्राय स्वीकारणे, विश्वासार्हता व गोपनीयता जपणे, सर्वांशी आदराने वागणे आणि योग्य पोशाखासह कामासाठी तयार राहणे.

२. कौशल्ये (Skills) – २५ गुण

i) संवाद कौशल्य (Communication)

लेखी व मौखिक संवाद प्रभावीपणे साधणे तसेच शिष्टाचार व सभ्य वर्तन राखणे.

ii) दस्तऐवजीकरण (Documentation)

आवश्यक कागदपत्रांची अचूक तयारी करणे आणि त्यांची व्यवस्थित नोंद ठेवणे.

iii) अहवाल सादरीकरण (Reporting)

कामाची प्रगती आणि उपलब्धी वरिष्ठ अधिकाऱ्यांपर्यंत योग्य वेळी व योग्य पद्धतीने पोहोचविणे.

iv) उद्दिष्टपूर्ती (Achievement of Goals)

अभ्यासक्रमाने अपेक्षित कौशल्ये व क्षमता आत्मसात करून कार्यक्रमाची उद्दिष्टे साध्य करणे.

३. OJT / Internship लेखी अहवाल – १० गुण

विद्यार्थ्याने OJT / Internship संदर्भातील सविस्तर लेखी अहवाल सादर करणे.

४. सादरीकरण व तोंडी परीक्षा (Presentation and Viva-Voce) – १० गुण

विद्यार्थ्याच्या सादरीकरण कौशल्य व तोंडी परीक्षेच्या आधारे मूल्यमापन केले जाईल.

प्रा. सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष, मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

तक्ता -1:

## OJT कार्यासाठी सातत्यपूर्ण अंतर्गत मूल्यमापन
## (Continuous Internal Assessment - CIA) गुणांचे वितरण

| अ. क्र. | तपशील | CIA-I (पहिल्या 10-15 दिवसात) | CIA-II (25-30 दिवसात) | एकूण गुण |
|---|---|---|---|---|
| 1 | OJT / इंटर्नशिपचा आराखडा व उद्दिष्टे | 10 गुण | — | 10 गुण |
| 2 | पहिल्या 10-15 दिवसांच्या कार्याचा अहवाल व सादरीकरण | 5 गुण | — | 5 गुण |
| 3 | 25-30 दिवसांच्या कार्याचा अहवाल व सादरीकरण | — | 5 गुण | 5 गुण |
| 4 | OJT / इंटर्नशिपचा प्रगती (लेखी) अहवाल व सादरीकरण | — | 10 गुण | 10 गुण |
| 5 | सादरीकरण व तोंडी परीक्षा (Viva-Voce) | — | 10 गुण | 10 गुण |
| एकूण | | 15 गुण | 25 गुण | 40 गुण |

प्रा. सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष, मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

## OJT / इंटर्नशिप मूल्यांकन अहवाल

(अंतर्गत व बाह्य परीक्षकांनी भरावयाचा)

विद्यापीठ विभाग / महाविद्यालयाचे नाव: ____________________ संकेतांक (Code)----------

पदवी / अभ्यासक्रम: ____________________ सत्र (Semester) : ____________________

बैठक क्रमांक (Seat No.): ______________ विद्यार्थ्याचे नाव : ------------------------

विशेषीकरण / विषय :--------------------------------------------------------------

OJT / इंटर्नीशिपचे नाव व ठिकाण : ______________ OJT / इंटर्नीशिप प्रकल्पाचे शीर्षक :--------

तक्ता II : मूल्यांकन योजना / गुणांकन योजना (60 गुण)

| अ. क्र. | मूल्यमापन प्रकार | मूल्यमापन निकष | प्राप्त गुण | | एकूण सरासरी |
|---|---|---|---|---|---|
| | | | अंतर्गत परीक्षक | बाह्य परीक्षक | |
| 1) | सामान्य व कौशल्य मूल्यांकन (40 गुण) | अ) सर्वसाधारण मूल्यांकन (15 गुण) | | | |
| | | 1. वक्तशीरपणा (Punctuality) गुण 3 | | | |
| | | 2. प्रामाणिकपणा (Sincerity)-3 | | | |
| | | 3. पुढाकार (Initiative)-3 | | | |
| | | 4. बांधिलकी (Commitment)-3 | | | |
| | | 5. सकारात्मक दृष्टिकोन (Attitude)- 3 | | | |
| | | ब) कौशल्य मूल्यांकन (25 गुण) | | | |
| | | 1. संवाद कौशल्य (Communication)-5 | | | |
| | | 2. दस्तऐवजीकरण (Documentation)-5 | | | |
| | | 3. अहवाल लेखन (Reporting)-5 | | | |
| | | 4. उद्दिष्टांची पूर्तता (Achievement of Goal)-10 | | | |
| 2) | लेखी अहवाल व सादरीकरण (20 गुण) | 1. OJT / इंटर्नीशिपचा लेखी अहवाल-10 | | | |
| | | 2. सादरीकरण व तोंडी परीक्षा (Viva-Voce)-10 | | | |
| | | एकूण | | | |

दिनांक: ____________ दिनांक : ____________

ठिकाण: ____________ ठिकाण : ____________

(नाव व स्वाक्षरी) (नाव व स्वाक्षरी)

अंतर्गत परीक्षक बाह्य परीक्षक

## Name of Course (Subject): Marathi

## Programme Specific Outcome (PSO):

On completion of the 03/ 04 years Degree in Marathi **students will be able to:**

PSO 1. समीक्षणात्मक दृष्टी प्राप्त

PSO 2. मराठीतील विविध बोलींचा परिचय

PSO.3 स्पर्धा परीक्षेसाठी सक्षम.

PSO.4. मूल्यांचे संस्करण.

PSO.5. नवसर्जन कौशल्य विकसित

PSO.6. आधुनिक तंत्रज्ञान व मराठी भाषा यांचा समन्वय साधण्याचे कौशल्य प्राप्त.

PSO.7. स्वावलंबी जीवन जगण्यास उपयुक्त.

PSO.8. सकारात्मक दृष्टिकोन निर्माण करण्यास मदत

PSO.9. विविध संप्रदायांचा परिचय व त्यातून विवेकाचा जागर

PSO.10. वाङ्मयीन जाणिवाची समृद्धी

PSO.11. भाषिक कौशल्याचा विकास.

PSO.12. व्यक्तिमत्त्वाचा विकास साकल्याने होण्यास मदत.

## ABBREVIATION:

**Major** – Comprising Mandatory and Elective (Minimum 50% of total credits corresponding to 3 or 4-year UG degree)

**Minor** – Minor subjects may be from different disciplines of the same faculty of DSC Major (Core) or from different faculty altogether

**OE** – Open Elective (Choose any one from Pool/Basket of Courses from same discipline or faculty /other discipline or faculty) Faculty wise baskets of OE shall be prepared by the University

**VSC** – Vocational Skill Course (Choose any one from pool of Major) including hands on training corresponding to the Major and / or Minor Subject

**SEC** – Skill Enhancement Course (Choose any one from pool / basket skill courses approved by university)

प्रा. सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष, मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

**AEC** – Ability Enhancement Course (Two of 2+2 credits of English & Two 2+2 of Modern Indian Languages)

**VEC** – Value Education Course (such as understanding India, Environment Science/Education, and Digital and Technological Solutions)

**IKS** – Indian Knowledge System (Major Specific IKS included under Major approved by university)

**OJT** – On Job Training

**FP** – Field Project (corresponding to the Major (Core) Subject)

**CEP** – Community Engagement Project (corresponding to the Major (Core) Subject)

**CC** – Co-Curricular Courses (such as Health and Wellness, Yoga education Sports and fitness, Cultural Activities, NSS/NCC and Fine /Applied/Visual/Performing Arts)

**RP** – Research Project (corresponding to the Major (Core) Subject)

**MIL** – Modern Indian Languages

**Internship/Apprenticeship** - (corresponding to the Major (Core) Subject)

प्रा.सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

## B. A./ B.Com. / B.Sc. Semester – I

## Subject: Marathi

### Discipline Specific Course (DSC)

The course ----------------------------------------------------in I semester has ------ ------- course (Paper I & II) for ------- credits: Each course has --------- credits. Both the papers are compulsory. Details of the courses are as under.

Course No.-1 (Paper No. I)

| Course No. | Type of Course | Theory / Practical | Credits | Instruction hour per week | Total No. of Lectures/ Hours / Semester | Duration of Exam | Formative Assessment Marks | Summative Assessment Marks | Total Marks |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| Course 01 | DSCC | Theory | ---- | ---- | ---- | ---- | ---- | ---- | ---- |

**Course No.1 (Course -I): Title of the Course (Course-I): -------------------------- -----------------------**

**Course Outcome (CO):**

After completion of course (No.1), students will be able to:

**CO 1:** सामाजिक आरोग्य सुदृढतेसाठी संस्करण

**CO 2:** स्वावलंबी होण्यासाठी कौशल्य विकास

**CO 3:** वाङ्मयीन जाण समृद्ध व भावविश्व समृद्ध

| Syllabus- Course 1: Title- ------------------------------------------------ -------- | Total Hrs: 45 |
|---|---|
| Unit-I | 15 hrs |
| Chapter -1 ---------------------------------------------------<br>Chapter- 2 ---------------------------------------------------.<br>Chapter-3 ---------------------------------------------------. | |
| Unit-II | 15 hrs |
| Chapter-4 --------------------------------------------------- | |

| | |
|---|---|
| Chapter-5 ------------------------------------------------<br>Chapter-6 ------------------------------------------------. | |
| Unit-III | 15 hrs |
| Chapter-7 ------------------------------------------------<br>Chapter-8 ------------------------------------------------<br>Chapter-9 ------------------------------------------------ | |

## Books Recommended: (अधिक वाचनासाठी संदर्भ ग्रंथ)


१. डॉ.द.भि.कुलकर्णी, साहित्य : सिद्धांत आणि समीक्षा, पद्मगंधा प्रकाशन, पुणे

२. भोळे भास्कर लक्ष्मण, विसाव्या शतकातील मराठी गद्य, साहित्य अकादमी प्रकाशन, पुनर्मुद्रण -२०१३

३. राजा मंगळवेढेकर, साने गुरुजींची जीवनगाथा, साधना प्रकाशन, पुणे, पाचवी आवृत्ती २०२४

४. भारतीय संस्कृती, साने गुरुजी, साधना प्रकाशन, पुणे, दुसरी आवृत्ती २०२५

५. कर्वे इरावती, आमची संस्कृती, देशमुख आणि कंपनी पब्लिशर्स, प्रा.लि.पुणे, पुनर्मुद्रण -२०१६

६. लोपीस मॅक्सवेल, मीरा श्याम रंगी रंगली, मॅजेस्टिक पब्लिकेशन हाऊस, मुंबई, पहिली आवृत्ती २०२२

७. कुलकर्णी श्रीधर रंगनाथ, साहित्य सेतू, राज्य मराठी विकास संस्था, मुंबई, प्रथम आवृत्ती १९९८

८. साधू यशवंत मंथन, स्वरूप प्रकाशन, औरंगाबाद. प्रथम आवृत्ती २००२

९. देऊळगावकर अतुल, विश्वाचे आर्त, लोकवाङ्मय गृह प्रकाशन, मुंबई. प्रथम आवृत्ती २०१२

१०. ज्ञानेश्वर बंडगर, अभंगबोध, पुस्तकनाका प्रकाशन, वर्णे जि. सातारा,प्रथम आवृत्ती २०२६

११. देसाई दत्ता, बदलता भारत, मनोविकास प्रकाशन, पुणे. प्रथम आवृत्ती २०२३

१२. आमटे बाबा, ज्वाला आणि फुले, रसिक आंतरभारती प्रकाशन, पुणे. पुनर्मुद्रण २०२४

१३. बेडकीहाळ किशोर(संपा.), परिवर्तन विचार चिंतन आणि चिकित्सा, लोकवाङ्मय गृह प्रकाशन, मुंबई. पहिली आवृती २०१३

१४. फडके य.दी., दिनकरराव जवळकर समग्र वाङ्मय, श्रीविद्या प्रकाशन, पुणे. पहिली आवृत्ती १९८४

१५. संपा.डॉ.व.दि.कुलकर्णी - साहित्यचिंतन, मुंबई विद्यापीठ, मुंबई १९८३.

१६. डॉ.रा.शं.वाळिंबे - मराठी वाङ्मयेतिहासाची प्रस्तावना, विदर्भ मराठवाडा बुक कंपनी, पुणे- १९७३

१७. बाळकृष्ण कवठेकर - महाराष्ट्रातील ग्रामीण व दलित चळवळी आणि मराठी साहित्य, मेहता पब्लिशिंग हाऊस, पुणे १९८५.

१८. गो.म.कुलकर्णी - 'खंडणमंडण' (आधुनिक मराठी वाङ्मयाचा इतिहास) पॉप्युलर, मुंबई १९६८.

१९. संपा. वसंत जोशी - भाषा व साहित्य संशोधन (विशिष्ट कालखंडाचा अभ्यास. प्रा.गो.म.कुलकर्णी) महाराष्ट्र साहित्य परिषद, पुणे १९८१.


प्रा.संजयराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर

२०. प्रा.वा.ल.कुलकर्णी-साहित्य-शोध आणि बोध (ललित साहित्याची प्रकृती आणि वाङ्मयेतिहासलेखनाच्या समस्या) पॉप्युलर, मुंबई १९६७.

२१. वा.ल.कुलकर्णी - साहित्य, स्वरूप आणि समीक्षा (वाङ्मयेतिहास लेखन आणि अध्यापन) पॉप्युलर, मुंबई १९७५.

२२. गं.ग्रामोपाध्ये- वाङ्मयविचार- (वाङ्मयेतिहास काही समस्या) व्हीनस, पुणे १९६८.

२३. रा.श्री.जोग - मराठी वाङ्मयाचा इतिहास (खंड चौथा, दुसरी आवृत्ती,) महाराष्ट्र साहित्य परिषद, पुणे १९७३.

२४. विनायक होगाडे, डियर तुकोबा, मधुश्री पुब्लिकेशन, पुणे, अकरावी आवृत्ती २०२६

२५. अ.ना.देशपांडे - आधुनिक मराठी वाङ्मयाचा इतिहास, व्हीनस, पुणे १९७४.

२६. दु.का.संत - वाङ्मयीन विद्वता - (वाङ्मयेतिहास स्वरूप, समस्या, पद्धती) पुणे विद्यापीठ, पुणे १९७६.

२७. संपा. गोखले, भावे, पाध्ये - साहित्यविचार, (वाङ्मयेतिहासाची रचना, ध्येय, दृष्टिकोन व पद्धती)

२८. संपा.डॉ.दत्तात्रय पुंडे - वाङ्मयेतिहासाची संकल्पना (प्रतिमा प्रकाशन पुणे, १९९४ आ. २री)

२९. बंडगर ज्ञानेश्वर, होय होय वारकरी, राजगृह प्रकाशन, कोल्हापूर. प्रथम आवृत्ती २०२४

३०. चिपलकट्टी अंजली, माणूस असा का वागतो?, राजहंस प्रकाशन,पुणे. प्रथम आवृत्ती २०२४

३१. सतीश बडवे - मध्ययुगीन मराठी वाङ्मय चिंतन आणि चर्चा, शब्दालय प्रकाशन, श्रीरामपूर

३२. सतीश बडवे, भक्ती परंपरेचा आंतरप्रांतीय अनुबंध, शब्दालय प्रकाशन, श्रीरामपूर

३३. डॉ.मारोती घुगे - १९८० पूर्वीची ग्रामीण कविता प्रेरणा आणि प्रवृत्ती, यशोदीप पब्लिकेशन, पुणे

३४. (संपा.) डॉ.नरसिंग कदम /प्रा अजित जाधव - महानुभाव संप्रदाय स्वरूप आणि विशेष, प्रभाकर पब्लिकेशन, लातूर

३५. डॉ.सुवर्णा चव्हाण - गुंड - संत सावता माळी अभंग आणि विचार,सुवर्णधन प्रकाशन संस्था, सोलापूर

३६. डॉ.रवींद्र बेंबरे - मानवतेचा दीपस्तंभ महात्मा बसवेश्वर

प्रा.सर्जेराव जिगे
अध्यक्ष,मराठी अभ्यास मंडळ,
डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ,
छत्रपती संभाजीनगर